



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 11, 1978 (माघ 22, 1899)
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 11, 1978 (MAGHA 22, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 जनवरी 1978

सं० ए० 12019/5/76-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, रक्षा मंत्रालय, पुणे-411021 में वरिष्ठ वैज्ञानिक (अधिकारी-I) श्री एस० एस० प्रसाद को 28 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रबन्धक (इलेक्ट्रॉनिक तथ्य ससाधन) के अस्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 6 जनवरी 1978

सं० ए० 12025/1/77-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में प्रोग्रामर श्री बी० सी० जैन को 31-12-77 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रोग्रामर के अस्थायी पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्रा० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-12-77 के संशोधन में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 12-11-77 से 9-12-77 (पूर्वाह्न) तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (2)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-12-77 के संशोधन में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बसरा को, राष्ट्रपति द्वारा 20-11-77 से 29-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (3)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32011/1/77-प्रशा० III दिनांक 1-10-1977 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग

में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-1-78 से 31-1-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III(4)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32011/1/77-प्रशा० III दिनांक 1-10-77 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगामेश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-1-78 से 6-1-78 (पूर्वाह्न) तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III(5)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 18-10-77 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आई० जे० शर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 3-12-77 से 31-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III(6)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 2-11-77 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 7-12-77 से 24-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रधान नाथ मुखर्जी,
अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० 97 आर० सी० टी० 32—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री सी० सी० खुराना, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक निदेशक (उद्यान-कृषि), को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 13 जनवरी, 1978 (अपराह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप में सहायक तकनीकी परीक्षक (उद्यान-कृषि) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 जनवरी, 1978

सं० 87 आर० सी० टी० 28—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री एच० एस० राठौर, स्थायी सहायक, केन्द्रीय सतर्कता आयोग को 18 जनवरी, 1978 से 28 फरवरी, 1978, या अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से आयोग में अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीनिवास,

अवर सचिव,

नूतने केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1978

सं० ए०-19014/1/77-प्रशा० 5—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के श्रेणी-I के स्थानापन्न अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के प्रशासनिक अधिकारी श्री आर० पी० गुप्ता ने दिनांक 26-12-77 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

ए० के० हूड,

प्रशासन अधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ओ० दो० 1202/75-स्थापना—श्री अजीत कुमार घोष ने उनके उड़ीसा स्टेट में प्रत्यक्ष होने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधीक्षक, 9वीं वाहिनी, के० रि० पु० दल पद का कार्यभार 31-12-1977 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० ओ०-दो०-1078/77-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर भोला शंकर मिश्रा को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड II डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर के पद पर उनको 30 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,

सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० ई० 38013(3) 7/15/77-कार्मिक—बम्बई से स्थानांतरित होने पर श्री पी० ए० पण्धारकर ने श्री एस० के० अरोड़ा के स्थान पर 30 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से

के० श्री० सु० ब० यूनिट, एच० ओ० सी० लिमिटेड, रसायनी जिला कोलाबा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया और डौदा को स्थानांतरित होने पर, श्री एस० के० अरोड़ा ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ई०-38013 (3) 15/77-कार्मिक—कोलाबा से स्थानांतरित होने पर श्री एस० के० अरोड़ा ने 9 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० बा० यूनिट आई० ओ० सी० गुजरात रिफाइनरी बड़ौदा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक, के० श्री० सु० ब०

भारतीय लेखा-परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक
नई दिल्ली दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० 29-58-सी० ए० 1/71—श्री पी० एस० राव
लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के स्वेच्छा सेवा निवृत्ति स्कीम की नियमानुसार स्वेच्छया 29-12-77 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए।

सुशील देव महाचार्य,
स० निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

गवालियर, दिनांक 27 दिसम्बर 1977

सं० प्रशासन 1/447—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 840-40-1000 व० अ० 40-1200 में, उनके नाम के आगे बतलाये दिनांक से पदोन्नत किया है।

1. श्री एम० एस० आत्मनाथन (02/0225) 1-11-77
पूर्वाह्न
2. श्री ए० जी० परानजये (02/0226) 14-11-77
पूर्वाह्न
3. श्री जी० पी० जैन (02/0229) 31-10-77
पूर्वाह्न
4. श्री एस० एस० मिश्रा (02/0230) 31-10-77
पूर्वाह्न
5. श्री डी० आर० विधे (02/0231) 31-10-77
पूर्वाह्न

कृष्ण गोपाल,

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक
नई दिल्ली-22, दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० 18338/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एम० बैकट रामगया, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक

को पेंशन स्थापना को अंतरित कर दिया जायेगा और उन्हें दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

वी० एस० भीर,
रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशा०)

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 8 फरवरी 1978

नं० 23/3/77-सी० पी० आई० दिसम्बर, 77 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार 1960-100 नवम्बर, 1977 के स्तर 330 (तीन सौ तीस) पर स्थिर रहा। दिसम्बर, 1977 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर 401 (चार सौ एक) आता है।

त्रिभुवन सिंह,
उप-निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1978

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/481/57-प्रशासन (राज०)/829—राष्ट्रपति, श्री एच० एल० बहल, इस संगठन के स्थायी नियंत्रक, आयात-निर्यात (वर्ग-2) को 16 जुलाई, 1977 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश जारी होने तक, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० 6/100/55-प्रशा० (राज०)/979—राष्ट्रपति, श्री के० जयरमण, उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 19 नवम्बर 1977 के दोपहर बाद से, 3 मास की अवधि के लिए बम्बई में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वे० गोषाद्रि,
मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० ए० 19018/308/77-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री गोवर्द्धन दास गिडवानी को राष्ट्रपति जी दिनांक 8 दिसम्बर 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (बिजली) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (बिजली) के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री गोवर्द्धन दास गिडवानी ने दिसम्बर

1977 (पूर्वाह्न) से उत्पादन केन्द्र थिरुवल्लूर, में अपने पद का कार्यभार संभाला।

वी० वेक्टरायल,
उप-निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मन्त्रालय
(इस्पात विभाग)

लोह और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 9 जनवरी 1978

सं० एड० मि० पी० एफ० (415)/53 (.)—निवर्तन की आयु प्राप्त कर श्री सन्तोष कुमार घोष, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 31 दिसम्बर 1977 के अपराह्न से सेवा मुक्त हो रहे हैं।

सं० ई० I 15 (6)/77 (.)—वाइसकी की आयु प्राप्त कर श्री ए०-1 आर० बोस राय, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 31 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न काल से सेवा निवृत्त हो रहे हैं।

ए० सी० चट्टोपाध्याय,
उप लोहा और इस्पात नियंत्रक,
नूते लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय खान व्यूरो

सं० ए०-19011 (66)/70 स्था० ए०—श्री जी० एन० सिल्ला, उप खनिज प्रयोजनास्त्री को दिनांक 19 दिसम्बर 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में 1300-50-1700 के वेतन पर खनिज प्रयोजनास्त्री के पद पर पदोन्नति की जाती है।

दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ए० 19011 (68)/75-स्था० ए०—श्री एम० एल० राय, उप खनिज प्रयोजनास्त्री को दिनांक 19 दिसम्बर 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में 1300-50-1700 के वेतन पर खनिज प्रयोजनास्त्री के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए०-19011 (90)/75-स्था० ए०—भारतीय खान व्यूरो के स्थायी महायुक्त प्रयुक्त प्रसाधन अधिकारी डा० ए० के० रे की दिनांक 13 दिसम्बर के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर वर्ग अ के पद पर भारतीय खान व्यूरो में स्थानापन्न उप प्रयुक्त प्रसाधन अधिकारी के रूप में पदोन्नति की गई है।

एल० सी० रणधीर,
कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-700016, दिनांक 19 नवम्बर 1977

सं० 4-142/77/स्थापना—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री जी० वी० शास्त्री को 7 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक इस सर्वेक्षण के दक्षिण भारतीय क्षेत्र मैसूर में सहायक मानवविज्ञानी (शारीरिक) के पद पर अस्थायी आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० स्था०/5333/594-प्रबन्धक—श्री स्वप्न चक्रवर्ती को प्राक मानचित्र उत्पादन संयंत्र (सं० प्र० एवं मा० उ० के०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग हैदराबाद में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र प्रतिकृति (सा० के० से० ग्रुप बी०) के पद पर 650-30-740-35-810 द० री० 35-880-40-1000 द० री० 40-1200 रु० के संशोधित वेतनमान में 2 जनवरी 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० गो० 5334/718 ए०—श्री गणेश लाल, स्थानापन्न अधीक्षक, महामहोदय कार्यालय को दक्षिणी सिकिल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, बेंगलूर में स्थानापन्न एवं लेखा अधिकारी (सा० के० सेवा ग्रुप बी०) के पद पर श्री करुणामय मुखर्जी, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, जो कि 31 दिसम्बर 1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो चुके हैं के स्थान पर 840/- रु० प्रतिमाह पर 840-40-1000 द० री०-40-1200 रु० के वेतनमान से तदर्थ आधार पर दिनांक 2 जनवरी 1978 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल,
भारत के महामहोदय

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1978

सं० 4 (19)/76-स्टाफ-1—त्याग-पत्र स्वीकृत हो जाने के परिणामस्वरूप, श्री रूप कृष्ण भट्ट ने, 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) को रेडियो कश्मीर, श्रीनगर के कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० 4(81)/77-एस०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कु० कार्तिदा प्रामोदरे बोरा को आकाशवाणी, भुज में 1-11-1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

मे 19 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड 2 (रसायन विज्ञान) के पद पर पूर्णतया अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक जनवरी 1978

सं० 10/84/77-एस III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री देवेन्द्र नाथ त्रिपाठी को आकाशवाणी कलकत्ता में दिनांक 8-12-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बोस
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

भारतीय डाकतार विभाग

मद्रास-600001, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ए० एस० टी०/डी० ई० 5/XVII/28—श्री जी० सुब्रमण्यन, जो स्थानीय प्रबंध के रूप में मद्रास टेलीफोन जिले में, स्थानापन्न मण्डल इंजीनियर के पद पर काम कर रहे हैं, 26-9-77 पू० से अपने पूर्व पद पर परावर्तित किए जाते हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

सं० 12026/4/77-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक एतद्वारा कन्ट्रोलर आफ डिफेन्स एकाउन्ट्स नवन कमाण्ड, जम्मू कैन्ट के कार्यालय के स्थायी लेखा अधिकारी श्री अमरनाथ गुप्ता को 19-12-77 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश तक, इस निदेशालय में स्थानापन्न रूप में लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर, उप निदेशक (प्र०)

दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० ए० एस० टी०/ए० ई० 5/16—महाप्रबन्धक, मद्रास टेलीफोन जिला, निम्नलिखित कनिष्ठ इंजीनियरों को उनके नाम के आगे उल्लिखित अवधि के लिए, स्थानीय प्रबंध के रूप में, मद्रास टेलीफोन्स जिला में, स्थानापन्न सहायक इंजीनियर नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	पदोन्नति की तारीख (टी० ई० एस० ग्रेड B)	पूर्व पद पर परावर्तन की तारीख
----------	-----	--	-------------------------------

सर्वश्री

1.	बी० एस० नागराजन	15-10-77	3-12-77 अपराह्न
2.	आर० संपत	14-11-77	—
3.	बी० एस० रामस्वामी	29-11-77	—
4.	बी० एस० नागराजन	6-12-77	—

दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० ए० एस० टी०/ए० ई०-5/17—निम्नलिखित सहायक इंजीनियर, जो स्थानीय प्रबंध के रूप में मद्रास टेलीफोन जिले में, स्थानापन्न मंडल इंजीनियर के पद पर

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० ए० 12025/22/76 (एच० एम० बी०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची के लेखा अधिकारी श्री बी० बी० नाग को 24 दिसम्बर 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पश्चिमी बंगाल सिविल सेवा में अपना प्रत्यावर्तन हो जाने के फलस्वरूप श्री नानी गोपाल चक्रवर्ती ने 23 दिसम्बर, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान रांची में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 23 जनवरी 1978

सं० ए० 12025/5/77-औषधि—राष्ट्रपति ने श्री एस० के० तलवार को केन्द्रीय भारतीय भेषज संहिता प्रयोगशाला

काम कर रहे हैं, अपने नाम के आगे उल्लिखित तारीख से अपने पूर्व पद पर परावर्तित किये जाते हैं

क्र० सं०	नाम	पूर्व पद पर परावर्तन की तारीख
1.	श्री बी० सुब्रमण्यन	1-10-77 अ०
2.	श्री श्रीय बानुमूर्ति	6-10-77 अ०
3.	श्री आर० संपत	1-11-77 अ०
4.	श्री बी० एस० रामस्वामी	3-11-77 अ०

ह० अपठनीय
सहायक महा प्रबन्धक (प्रशासन)

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० क्रमनि/23/2/77-संस्थापन 2757—निदेशक क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग श्री ए० आर० टोडवालकर सहायक भंडार अधिकारी के अवकाश स्वीकृत होने पर इस निदेशालय के श्री आर० एम० मोडकर, अस्थाई भंडारी को अस्थायी रूप से कार्यकारी सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से ह० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतन क्रम में इसी निदेशालय में दिनांक 12-12-77 से 13-1-78 तक नियुक्त करते हैं।

18 जनवरी 1978

सं० क्रमनि/2/1(23)/77-संस्थापन 3145—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28 नवम्बर 1977 के तारतम्य में निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग इस निदेशालय के श्री नेलूवायी हरिहर ऐय्यर कृष्णन लेखाकार को इसी निदेशालय में कार्यकारी सहायक लेखा अधिकारी के रूप में आगे भी तदर्थ रूप से आगामी 28 फरवरी तक नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी
कृते प्रशासनिक अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० ई० (I) 00951—वेधशालाओं के महानिदेशक डा० एस० एस० भण्डारी को 29 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, भारतीय मौसम सेवा, ग्रुप बी (केन्द्रीय

मिथिल सेवा, ग्रुप बी०) में अस्थायी तौर पर सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

डा० भण्डारी को निदेशक, प्रा० मौ० केन्द्र, कलकत्ता के अन्तर्गत मौसम केन्द्र, गोहाटी में तैनात किया जाता है।

गुरुमुखराम गुप्ता
मौसम विज्ञानी

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० ए०-12025/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री अजय कुमार लूथरा को 26-12-77 (पूर्वाह्न) से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

दिनांक 20 जनवरी 1977

सं० ए० 12025/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री मानबेन्द्र राय को 9-12-77 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयर-पोर्ट, दमदम में तैनात किया है।

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—श्री पी० आई० डेविड, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर, 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 39012/3/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास यूनिट, नई दिल्ली के श्री जीत सिंह छाबड़ा, तकनीकी अधिकारी का त्यागपत्र 9-12-1977 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

सत्य देव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० ए० 32013/5/77-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित विमानक्षेत्र अधिकारियों को उनके नाम के सामने दिखाई गई तारीख से और अगले आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	तारीख	स्टेशन
1	2	3	4
1.	श्री एस० एम० दास	12-1-78	मद्रास एयरपोर्ट मद्रास

1	2	3	4
2. श्री एम० एल० मवरवाल	26-12-77	कलकत्ता एयरपोर्ट दमदम (क्षेत्रीय निदेशक के कार्यालय में वरिष्ठ विमान सुरक्षा अधिकारी के पद पर तैनात किए गए)	
3. श्री जगन नाथ	9-12-77	उधमपुर	
4. श्री जी० एस० बुडल	5-11-77	बम्बई, एयरपोर्ट, बम्बई	
		वी० बी० जोहरी महायक निदेशक प्रशासन	

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० 1/443/78-स्था०—श्री एम० बी० गोवंडे को 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्विचिंग समूह, बम्बई में अस्थायी तौर पर महायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० 1/443/78-स्था०—श्री बी० रामाराव को 2 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्विचिंग समूह, बम्बई में अस्थायी तौर पर सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 20 जनवरी 1978

सं० 1/425/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० के० बसु को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 2-5-77 से 8-8-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उपपरिचात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/311/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक श्री ए० एस० पायस को अल्पकाल के लिए खाली जगह पर 31-10-77 से 2-12-77 (दोनों दिन मिलाकर) की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उपपरिचात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा शुल्क तथा केंद्रीय उत्पाद शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० 4/78—श्री भगवान सिंह, कार्यालय अधीक्षक की, नयी दिल्ली स्थित निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क व केंद्रीय उत्पाद शुल्क में, श्री हरि देव शर्मा के सेवा निवृत्त होने के कारण रिक्त हुए पद पर, दिनांक 17 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न नियुक्त की जाती है।

दिनांक 24 जनवरी 1978

सं० 3/78—स्थायी कार्यालय अधीक्षक श्री एस० एन० वर्मा, को जो महायक मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में निरीक्षण निदेशालय (सी० शु० तथा के० उ० शु०) नई दिल्ली में कार्य कर रहे थे, 31-12-77 (अपराह्न) से तथा अगला आदेश जारी होने तक इसी निदेशालय में श्री हरि देव शर्मा के सेवा निवृत्त होने से रिक्त हुए स्थान पर, स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

सु० वेंकटरामन्
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 जनवरी 1978

सं० 19012/18/77-प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री बी० के० गोस्वामी, अनुसंधान सहायक को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी आधार पर तदर्थ रूप में 31/10/1977 (पूर्वाह्न) से फरवरी, 1978 के अंत तक या जब तक पद को नियमित रूप से भरा जाता है, जो भी पहले हो गोहाटी गेजिंग प्रभाग, गोहाटी, केन्द्रीय जल आयोग में महायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में नियुक्त करते हैं।

(2) श्री बी० के० गोस्वामी ने गोहाटी गेजिंग प्रभाग, गोहाटी में 31/10/1977 (पूर्वाह्न) से सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) का पद भार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० क-32014/1/77-प्रशासन पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-ख) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद् द्वारा इन पर्यवेक्षकों को जो कि इस समय अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में तदर्थ रूप से कार्यरत हैं, इन्हें स्थानापन्न क्षमता में नियमित रूप से उसी श्रेणी में प्रत्येक के आगे दी गई तिथि से नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री जी० प्रभाकर 30-7-1977 (अपराह्न) से
- (2) श्री सी० हरि दास 3-6-1977 (पूर्वाह्न) से

(2) उपायुक्त अधिकारी उनके नाम के आगे दी गई तिथि से दो वर्ष तक परीक्षा काल में होंगे।

जितेन्द्र कुमार साहू
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशक कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० 33/1/77-ई० सी० 9—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि०, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित निम्नलिखित प्रत्याशियों को के० लो० नि० वि० में सहायक वास्तुकों (सामान्य केन्द्रीय सिविल सेवाएं—ग्रुप 'ख' के अस्थायी पदों पर रु० 650-30-740-35-810 - द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के मामले दिए गए वेतन पर और प्रत्येक के मामले दिखाई गई तारीख से सामान्य शर्तों के अधीन नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों को उनके नामों के आगे दी गई तारीखों से दो वर्ष की परीक्षा अवधि पर रखा गया है।

क्र० सं०	नाम	वेतन	पद जिस पर समायोजन किया गया	विशेष
1.	कुमारी आशा हर्वालकर	वेतन दो वर्ष की परीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरी करने के बाद नियमानुसार नियत किया जाएगा। फिलहाल वह रु० 650/- प्रति मास की दर से वेतन लेंगी।	वरिष्ठ वास्तुक (एच० एण्ड टी० पी०)-2 एकक, केन्द्रीय कार्यालय, के० लो० नि० वि० नई दिल्ली में विद्यमान रिक्तियों में से एक पर।	अनुभाग अधिकारी रोकड़ अनुभाग दिनांक 30-12-77 (पूर्वाह्न) से उनका वेतन निकालें
2.	श्री ओ० पी० भारद्वाज	—यथोपरि—	वरिष्ठ वास्तुक (उत्तरी अंचल) -9, के० लो० नि० वि०, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में विद्यमान एक रिक्ति पर।	मुख्य इंजीनियर (उत्तरी अंचल) के० लो० नि० वि० दिनांक 8-1-78 (पूर्वाह्न) से उनका वेतन निकालें।

डी० पी० ओहरी

प्रशासन उप-निदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और "पी० टी० टी० चिट फण्ड ग्रन्ड फैनान्स प्राइवेट लिमिटेड" के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 17 जनवरी 1978

सं० 71/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर "पी० टी० टी० चिट फण्ड ग्रन्ड फैनान्स प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० आर० वि० वि० मत्स्यनारायण
कम्पनीयों का रजिस्ट्रार, पांडिचेरी

"कम्पनी अधिनियम 1956 और गोवा मिनरलस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में"

पणजी, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० 87/जी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गोवा मिनरलस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कंपनी विघटित कर दी जाएगी।

द० रा० धरोटे

कम्पनी का रजिस्ट्रार
गोवा, दमण और दीव

“कम्पनी अधिनियम 1956 और मनीप्लांट फाइनैन्स एन्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में”

चण्डीगढ़, दिनांक 19 जनवरी 1978

सं० जी०/स्टेट/560/3189/11168—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर मनीप्लांट फाइनैन्स एन्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
हि० प्र० व चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पान्डयन कोरपोरेशन लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० 2099/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पान्डयन कोरपोरेशन

लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय
(आयकर)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० 37/5/76-ए० डी०/डी० ओ० एम० एस०/हि० 1483—गृह मन्त्रालय, रजिस्ट्रार जनरल, इण्डिया के कार्यालय में काम कर रहे निम्न सहायक निदेशक (प्रोग्राम) ने उनकी प्रतिनियुक्ति के अयन पर, संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर) नई दिल्ली में 1-12-1978 (पूर्वार्द्ध) से सिस्टम अधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया है :—

- (1) श्री बी० बी० राव
- (2) श्री एम० पी० राव
- (3) श्री आर० पी० गुप्ता

जगदीश चन्द
निदेशक

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री राजीव शर्मा पुत्र राजेन्द्र प्रकाश शर्मा निवा स
छोपी तालाब, मेरठ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 894 ए०/ अर्जन/ मेरठ/ 77-78/5901:--

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
10-5-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए.अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :--(2) श्री तोलाराम पुत्र निर्मल सिंह निवासी पटेल नगर
मेरठ एवं सरदार निर्मल सिंह पुत्र तेजाराम
गुनियाना जिला भटिन्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 34, 355 बगंगज स्थित छोटा
वेगम बाग जिला मेरठ 42,600/- के विक्रय मूल्य में बेची गई ।आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 848 ए०/ अर्जन/ रुड़की/ 77-78 / 5903---

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-

(1) श्री जिम्मू पुत्र धूमि निवासी अकीहेतमपुर डा० औरंगाबाद परगना व तहसील रुड़की जिला-सहारनपुर (अन्तरक)

(2) श्री भजन सिंह एवं अजीत सिंह एवं तीरथ सिंह पुत्रगण मस्तान सिंह निवासी रथपुर तहसील कालका जिला अम्बाला वर्तमान पता जगजीतपुर परगना ज्वालापुर तहसील रुड़की जिला-सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति कृषिभूमि 28 बीघा स्थित ग्राम सलेमपुर रुड़की जिला सहारनपुर 38,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-12-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 दिसम्बर 1977

निदेश न० 752 ए०/प्रजन/सहारनपुर/ 77-78/ 6372.—
 अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वाक्यांशों, पदों:—

(1) श्री सतीश चन्द पाठक पुत्र श्याम सिंह पाठक प्रोफेसर जैन डिग्री कॉलेज सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शशिबाला पत्नी डाक्टर सुन्दर लाल अग्रवाल निवासी मिशन कम्पाउण्ड सहारनपुर।

(अन्तरितों)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति दोमजिला मकान स्थित मिशन कम्पाउण्ड जिला सहारनपुर 70,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
 प्रजन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-12-1977
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 4 जनवरी 1978

निदेश न० 863 ए०/अर्जन/सहारनपुर/77-78 6809--

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० है तथा जो मे स्थित है (प्रागुक्त उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-5-66 को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नग्न पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का प्राप्ति, उक्त अधिनियम, के अधीन नग्न देन के अन्तरक के दायित्व में करने या उसमें वचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

(1) श्री सतीश चन्द पुत्र मूल चन्द राधेश्याम पुत्र फकीर चन्द निवासी गण नखासा सहारनपुर एवं श्रीमती प्रेम लक्ष्मी पत्नी मदन लाल निवासी मीरगज, सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल सैनी पुत्र महावीर प्रसाद निवासी 13/706, कवाडी, बाजार सहारनपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अर्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 की में यथा परिभाषित है; वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निमजिला महान न० 13/706 कवाडी बाजार जिला सहारनपुर 61 000/- के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

तारीख 4-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी, 1978

निदेश सं० 941 ए०/ अर्जन/ मसूरी/ 7778/ 6810:—

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०----- है तथा जो-----में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दीना नाथ पुत्र लक्ष्मण दास, राम प्रकाश पुत्र ज्ञानचन्द, तिलक राज पुत्र ज्ञान चन्द, विजय कुमार एवं अनिल कुमार पुत्ररगण बालविशन श्रीराम पुत्र सीताराम द्वारा मैसर्स ज्ञान चन्द दीना नाथ नया बाजार बिल्डी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामकौरी देवी पत्नी सुरेन्द्र सिंह, मलिक निवासी इन व्यू काटेज, नार्थ साइड पंचो कांची कुटीर, मसूरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति इन व्यू काटेज नार्थ साइड मसूरी का आधा भाग 35000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 4-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी 1978

निर्देश सं० अर्जन/ 782/ फिरोजाबाद/ 77-78/ 6806—
अतः, मुझे आर० पी० भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के
अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं०— है तथा जो— में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,
1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती त्रिवेणी देवी स्त्री गंगासरन पुत्री ज्वाला
प्रसाद अग्रवाल घर आसगरान फिरोजाबाद
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला देवी स्त्री मोहन लाल निवासी चौबे
जी का बाग फिरोजाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जो कि सुखमलपुर, निजामाबाद चौबे जी
का बाग फिरोजाबाद (आगरा) में स्थित है 60000 रु० के विक्रय
मूल्य में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1978

निवेशनं० 1482ए०/अर्जन/बुलन्दशहर/ 7778/7110:—

अतः, सुश्री आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं०— है तथा जो— में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री राम कुमार पुत्र ईश्वरी प्रसाद गिरवर किशन पुत्र मुरारी लाल, श्रीमती मधु रानी पत्नी कान्ती प्रसाद निवासी दनकौर जिला बुलन्दशहर
श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी आनन्द प्रकाश एवं श्रीमती प्रकाशवती पत्नी महेन्द्र प्रकाश निवासी कस्बा सिकन्द्राबाद जिला बुलन्दशहर

(अन्तरक)

(2) राम किशन शर्मा पुत्र चोखे लाल राकेश कुमार राजेश कुमार सुकेश कुमार एवं दिनेश कुमार पुत्रगण राम किशन द्वारा विशाल सिनेमा, बुलन्दशहर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति सिनेमा का 50% हिस्सा इमारत एवं इसका व्यापार स्थित शिकारपुर जिला बुलन्दशहर जिला 2,00,000 रु० के विक्रय मूल्य में बची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 8-1-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1978

निदेश सं० 750 ए० / अर्जन/ कानपुर/ 7778/ 7111:—

अतः, मस आ० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

3-456 GI 77

(1) श्रीमती नेनी बाई पत्नी होतचन्द 122/548/ सिन्धी कालोनी, शास्त्री नगर, कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन लाल पुत्र अधोराम 107/170 ए० जवाहर नगर, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि एवं इमारत नं० 122/547 हरिहर नाथ शास्त्री नगर, कानपुर 48000/-के विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

आ० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जनवरी 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/ 9963/ 77-78/ ए० सी०

एम्पू०/ बी० :—यतः, मुझे जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5 है, तथा जो 17th 'A' क्रस, 10th 'A' मैन मल्लेश्वरम बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/5/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पि० आर० आरमदु सुपुत्र स्वर्गीय आर० राजगोपालन सुपरिडट इंजीनियर (एम० पी०), नं० 5, 17th 'A' क्रस 10th 'A' मैन रोड मल्लेश्वरम, बंगलूर (अन्तरक)

(2) श्री डी० जी० एन० रामचन्द्रन सुपुत्र स्वर्गीय जी० आर० नारायणन नं० 5 17th 'A' क्रस 10th 'A' मैन मल्लेश्वरम, बंगलूर (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 559/77-78 ता० 12/5/77]

सारा सम्पत्ति का नं० 5, 17th ए०, क्रस रोड, 10th ए० मैन रोड मल्लेश्वरम बंगलूर।

बांध

पू० : 10th 'ए' मैन

प० : पुराना रैठ नं० 22

उ० : नं० 5/1, 17th 'ए' क्रस

द० : नं० 32

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 18-1-78

मोहर :]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जनवरी, 1978

निर्देश सं० सी० आर०-62/10310/77-78/ए० सी०-
क्यू० (बी०) :-यतः, मुझे जे० एस० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 280/22 ई, तथा जो 5 मैन रोड, 11
क्रास विलसन गार्डन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 30-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- 1 श्री जि० आर० लक्ष्मण रेड्डी
- 2 के० एम० कमलम्मा पत्नी जि० आर० लक्ष्मणरेड्डी
- 3 जी० एल० शोभा
- 4 जी० एल० चन्द्रशेखर रेड्डी रेप्रसेंटेड बै०
- 5 जी० एल० राजशेकर रेड्डी जि० आर० लक्ष्मणरेड्डी
(अन्तरक)

- 2 मैसर्स थानवीर एण्ड कंपनी एम० बी० एस० बिल्डिंग
एम०जी० रोड मुलुबागिल, कोलार डि०
(अन्तरिती)

- 3 अनंथय्या बट

- (1) मैसर्स होटेल जनता (2) मैसर्स शोभा स्टोरस
(2) श्री मणीलाल (4) मैसर्स एस्कारटस (5)
प्रमीला स्टोरस (6) मैसर्स लिडो हैडनिक ड्रेसिंग
(7) मैसर्स मैको असोसिएशन (8) मैसर्स उमा
फोटो स्टूडियो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 555/77-78 ता० 30/5/77]

नं० 282, और 280/22 (नवा), 5 मैन रोड, 11 क्रास,
विलसन गार्डन, बंगलूर-2)।

बांध :

पू० : 11 क्रास
प० : सैट 281
उ० : 5 मैन रोड
द० : नं० 283

जे० एस० राव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 13 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० 574 :—यत् मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 44-1-8 है, जो चाराला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चीराला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

(1) श्री के० वेंकट सिवरामय्या, चीराला

(अन्तरक)

(2) श्री टि० सूर्यनारायण टि० बालयोगिन्द्र रवि कुमार
चीराला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

चीराला रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 15-5-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 975/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 12 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 12 जनवरी, 1978

सं० 573 :—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 12-5-27 है, जो बापटला में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बापटला में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-5-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सि० एच० सुब्रह्मन्यम (2) सि० एच० श्रीराम
चन्द्र प्रसाद (3) सि० एच० राधा (4) सि० एच०
निर्मला (5) एम० सीताराजगोपाला सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री वै० पिय्याय्या बापटला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-5-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 593/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकिनाडा,

तारीख : 12-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 3 जनवरी 1978

निदेश सं० एल० सी० 150/77-78:—यतः मुझे सी० पी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कललिकुन्नू ग्रहाम देशम में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोणिकोड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मीराबाई

(अन्तरक)

(2) श्री के० पी० रवीन्द्रन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

9 1/8 Cents of land with buildings in R. Sy. No. 5-17-758 and 5-17-759 part in Kalathi Kunnu amsom in Kozhikode District.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 3-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती आर० एल० रयिट्ट

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री आर० पी० टेविड

(अन्तरिती)

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15 दिनांक 5 जनवरी 1978

निदेश सं० एल० सी० 162/77-78:—यतः, मुझे सी०

पी० ए० वासुदेवन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो नोर्त वयनाड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानन्नोर्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा या।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

326 acres 46 cents (132.17 Hectares) of land in Thirunelli Amsom, Desom and village in North Wynad Taluk known as "Bargiri Estate" at Tholpetti with all improvements therein.

सी० पी० ए० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 5-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 10 जनवरी 1978

निदेश सं० एल० सी० 163/77-78 :—यतः, मुझे. सी० पी० ए० वासुदेवन, 1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कालिकट कोरपोरेशन में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोणिकोड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसने दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्री चन्नुकीट्टिल अब्दुल्ला

(अन्तरक)

(2) 1. श्री के० पी० चन्द्रदासन (2) श्रीमती लक्ष्मिकुट्टी
(3) श्रीमती देवी (4) श्री डी० वी० गनगधरण
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19 cents of land with buildings known as "Janatha Hostel" in Sy. No. 63/1A & 1B (R. Sy. No. 133) in Kariakunnu desom in Calicut Corporation.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 10 जनवरी 1978

निदेश सं० एल० सी० 165/77-78 :—यतः, मूले सी० पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो त्रिच्चूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय त्रिच्चूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4-456GI/77

(1) श्री वरगीस

(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० कुरियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6½ cents of land with building in S. Nos. 1153/8 & 1153/3 of Trichur village in Trichur District.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती टी० पी० नफीसा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती (1) मरियु (2) एन० के० सुबेदा
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 10 जनवरी, 1978

निदेश सं० एल० सी० 164/77-78:—यतः, मुझे, सी०
पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कलायि कालि-कट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोपिकोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9½ cents of land with building in Kallai, Calicut.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-1-1978
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एटवेरड दामैय्या

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन, दिनांक 17 जनवरी, 1978

निदेश सं० एल० सी० 166/77-78 :—यतः मुझे सी०
पी० ए० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्तपुरम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बोणन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवट्टार में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (2) 1. श्री गनगाधरन नायर (2) सरसम्मा नायर
(3) शशिकला विजयन (4) शशीशचन्द्रन नायर
(5) सुरेशकुमारन नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 cents 270 sq. links of land with buildings in Anchamada
Village, in Trivandrum.

सी० पी० ए० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 17-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 25 जनवरी, 1978

निर्देश सं० 202/77-78/ अर्जन :—यतः, मुझे, डि० वि०
राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सं० नं० 1134/45 है जो बिजापुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिजापुर डाकघर नं०
440, दिनांक 21-5 1977 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, नांक प्रस्तावः—

(1) श्री संगप्पा (2) श्री भीके ज्ञानिपमंकट
पुत्र ए० पि० एम० जी० बिजापुर

(अन्तरक)

(2) श्री मल्लिकार्जुन गिरिमल्लप्पा कट्टी, पार्टनर मैसर्स
जोगूरनंदि को, ए० पि० एम० सि० बिजापुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचा

बिजापुर में स्थित स्थावर सम्पत्ति, जिसकी सिटी० सं० नं०
1134/45।

डि० सि० राजगोपालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 25-1-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 25 जनवरी, 1978

निर्देश सं० 203/77-78/ ए० सी० न्यू०:—यतः मुखे,
डि० सी० राजगोपालन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 109, 154, 184, 125 और 136 हैं, जो हरवाली ग्राम, बालेहेन्नूर हेबली, होसगदी एस्टेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसीहराजपुर डाकयुमेंट नं० 22/77-78 तारीख 10-5-1977 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता०

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री एडवर्ड गिलबर्ट पिनटो कपी पलैटर, सना एस्टेट संबगमेस्वर पेट, (डिस्टीक बजिकमंगलूर) (अन्तरक)

- (2) (1) श्री कसमिर पिनटो सुपुत्र पुटर पिनटो (2) श्रीमती जूलिना पलोरीना बेनेडिका पिनटो पत्नी कसमिर पिनटो (3) रिचर्ड ऐरिक विक्टर पिनटो और (4) रोनाल्ड लेसलियां पिनटो कापि पलैटर, हसगददे एस्टेट कट्टीमने पोस्ट व तालूक नरसिहराजपुर, (सिमोगा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हरवाली ग्राम में सम्पत्ति पहचान नाम होसगददे एस्टेट सं नं० 109, 154, 184, 125 और 136 विस्तीर्ण 33 एकड़ और 24 गूठे का है।

डि० सी० राजगोपालन
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 25/1/78

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 जनवरी, 1978

निदेश सं० चण्डीगढ़/ 40/77-78 :—यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 166, सेक्टर 20 ए० है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मिस बेनू कुमारी द्वारा श्री कृष्ण कुमार सागर पुत्र श्री गंगा बिशन निवासी 17, कानपुर रोड, इलाहाबाद (अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार वासुदेवा निवासी मकान नं० 166 सेक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 1/2 मंजल मकान नं० 166 सेक्टर 20-ए० चण्डीगढ़ जिसका रकबा 198.33 वर्ग गज है।

“सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 381 तिथि 29-6-1977 में दी गई और है जो रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय में दर्ज है।”

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 27-1-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 27 जनवरी 1978

निदेश सं० बल्लबगढ़/10/77-78—यतः, मुझे रवीन्द्र
कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला प्लॉट नं० बी०-6, ब्लॉक डी०-
एन० आई० एच०, एन० आई० टी० है तथा जो फरीदाबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नोता राम पुत्र श्री सेवा राम निवासी 1-डी०-6,
एन० आई० टी० फरीदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार (2) श्री सुदर्शन कुमार पुत्रान श्री
दीवान चन्द, मकान नं० 530 सैक्टर 15-ए,
फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला प्लॉट नं० बी०-6, डी एन एच आई०, एन० आई० टी०,
फरीदाबाद तथा जिसका रकबा 216 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ में कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 685 मास मई, 1977 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 27-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० /111/269/77-78---

अतः, मुझे, ए० एल० सूद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13/14 का 1/4 हिस्सा है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री नन्द सिंह, सुपुत्र श्री सन्त राम, निवासी 13/14, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दबिन्द्र कुमार चावला, सुपुत्र श्री मोती राम चावला, निवासी 13/14, डब्ल्यू० ई० ए०, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ठाई मंजिला मकान का 1/4 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 276 वर्गगज है, और नं० 16/10597, प्लॉट नं० 14, ब्लॉक नं० 13 है, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य जायदाद

पश्चिम : गली

उत्तर : गली

दक्षिण : गली

ए० एल० सूद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 जनवरी 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/व्यू०/111/268/77-78—

अतः, मुझे, ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/14 का 1/4 हिस्सा है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-5-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नन्द सिंह, सुपुत्र श्री संत राम, 13/14, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली । श्री इकबाल सिंह के० जनरल अटारनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर कुमार चावला, सुपुत्र श्री मोती राम चावला, निवासी 13/14, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाई मंजिला मकान का 1/4 हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 276 वर्ग गज है और नं० 16/1059, प्लॉट नं० 14 ब्लॉक नं० 13 है, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य जायदाद
पश्चिम : गली
उत्तर : गली
दक्षिण : गली

ए० एल० सूद

समक्ष अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 जनवरी, 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए०आर०आई०/2036-11/77:-अतः, मुझे एफ०
जे० फर्नान्डीज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 4/755 का माला एण्ड
है, तथा जो जक्शन बी० देसाई रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 24-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—

(1) श्री एन० जे० गमादिया एण्ड अन्य

(अन्तरक)

(2) मैसर्स, गोबानी बिल्डर्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

(3) किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1889/72/बंबई उप रजिस्ट्रार
अधिकारी द्वारा दिनांक 24-5-77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० जे० फर्नान्डीज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, बंबई

तारीख: 17 जनवरी, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पुखराज एल० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरवः)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बंबई

बंबई, दिनांक 18 जनवरी, 1978

निर्देश सं० अ० ई०-1/2034-9/77 :—अतः, मुझे, एफ० जे० फर्नान्डीज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 714 और 715 का माला एण्ड कं बाल-हिल डिवीजन आफ पेडर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-5-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) सोनारिका को० आप० हाउ० सो० लि० सोसायटी के सदस्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3188/72/बंबई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 9-5-77 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एफ० जे० फर्नान्डीज,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बंबई

तारीख : 18 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

नं० आर० ए० सी० 181/77-78—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० आदाबाग, 25/246 है, जो ननदीयाल में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ननदीयाल में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 21-5-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजम रेड्डी रामालीनम रेड्डी, बनदी
आतमाकूर-गड, ननदीयाल, करनूल जिला
(अन्तरक)

2. श्री पैरेड्डी वीजया बासकर रेड्डी, उडमुलापुरम,
ग्राम, ननदीयाल, करनूल जिला ।

(अन्तरिती)

3. मैनेजर, क्वापरेटिव अग्रीकल्चरल डेवलपमेंट बैंक,
घर नं० 25/246, सनजीवीनगर ननदीयाल ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

आदाबाग घर का नं० 25/246 सनजीवीनगर ननदीयाल,
करनूल जिला में है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1489/77 उप
रजिस्ट्री कार्यालय ननदीयाल में है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं०-182/77-78—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आदा भाग नं० 25/246 है, जो सनजीव नगर,
ननदीयाल में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
ननदीयाल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 21-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात्:—

1. श्री राजमरेडी रामालीनगा रेडी बनडी,
आतमाकूर-गड, ननदीयाल तालुक, करनूल जिला
(अन्तरक)
2. श्री पैरेडी शेषी रेडी, उडमुलापुरम
ननदीयाल तालुक, करनूल जिला,
(अन्तरिती)
3. मैनेजर, क्वापरेटिव अग्रीकल्चरल डवलपमेंट,
बैंक घर नं० 25/246, सनजीवनगर, ननदीयाल ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

आदाभाग घर नं० 25/246 सनजीव नगर, ननदीयाल
करनूल जिला, रजिस्ट्री की दस्तावेज नं० 1490/77 उप-
रजिस्ट्री कार्यालय ननदीयाल में ।

के० एस० वेंटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12 जनवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 183/77-78—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 11-6-862/1-ए. है, जो रेड हील्स, हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन में, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शेरबानू सजनलाल पति-जनाब जलालुद्दीन सजनलाल घर नं० 11-6-862/1-डी, रेड हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सलेदा सुलताना साहेब पति सैयद गुलाम महमद: 11-6-862/1-ए, रेड हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का सता घर नं० 11-6-862/1-ए, रेड हील्स, हैदराबाद रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1130/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० 184/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 123, 124, 14 है, जो पनजागुटा,
हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 17-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महमूद करीमुला,

घर नं० 13-3-57, मुस्तेदपुरा, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री सुरज कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, हरीप्पेलेई,

10-9-330-ए, नेहरूनगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुल जमीन विस्तर 600 वर्ग यार्ड, 123, 124, और
161 सरखे नं० है, पनजागुटा क़ैरताबाद में है। दस्तावेज
नं० 1187/77 रजिस्ट्री की गई है क़ैरताबाद उप रजिस्ट्री
कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 185/77-78—यतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 229 है, जो अनन्तापुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनन्तापुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
5-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर 11) 11
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री मेकला बालप्पा
(2) एम० वासुदेवप्पा
(3) श्री एम० रागवेन्दर गौड
(4) एम० कृष्णय्या
(5) एम० मदुसूदन
(6) एम० सुधाकर गौड, के० के० अग्रहारम,
अनन्तापुर ।

(अन्तरक)

2. श्री कासुमी वैनकट चलपती-
पिता : बाला वैनकटय्या, डी० सं० 11/229,
सडी नगर, अनन्तापुर ।

(अन्तरिती)

3. सर्व श्री (1) जोगमरेडु
(2) समबसीवामूरती
(3) कूरपती नारायना,
(4) जी० महानन्द-रहतेई-229/11, अनन्तापुर
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

घर नं० 229, बार्ड नं० 11, अनन्तापुर म्यूनिसिपैलिटी का
है । रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1541/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय
अनन्तापुर में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-1-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 186/77-78—यतः मुझे के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जरा नं० 14 है, जो बशीरबाग पयालेस
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 11-5-1977

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
6-456GI/77

1. मैसर्स हैदराबाद, निराश्रितों हौजीनग कोआपरेटि
सोसायटी, अधीपति श्री मूलचन्द पेलडरवास
सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्री हुमूडल दास नारायण दास, घर नं०
6-3-1105, सीमाजीगुडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

3. एस० मल, 6-3-883/ए/2, पनजागुटा, हैदराबाद ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुल जमीन विस्तार 433 वर्ग यार्ड प्लॉट नं० 14
जिसका नं० 5-9-30/1 बशीरबाग पयालेस, हैदराबाद में
रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1009/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय
हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० 187/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कुल जमीन है, जो अमीरपेट, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन 4-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० भापा रेड्डी पिता वीरा रेड्डी,
मुबारकपुर, गड, सनगारेड्डी

(अन्तरक)

2. (1) श्री के० दुरगा रेड्डी, पिता रामवरेड्डी,
(2) श्रीमती श्याम्यमा पती कीशटारेड्डी
चेन्नगनपुरगड, अनदोल, मेदका जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन विस्तार 738 वर्ग यार्ड, अमीरपेट हैदराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1062/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय
कैरताबाद हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-1-1978

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० 188/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-3-250 है, जो हीन्दपुर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हीन्दपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एस० यसीवम्मा पती सत्यानारायणन, मरुर्मट मेन बाजार, हीन्दपुर।

(अन्तरक)

2. श्री एन प्रवीन कुमार

माता उनका देकनेवाला है, मेन बाजार, हीन्दपुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग घर नं० 7-3-250 हीन्दपुर रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1184/77 उप रजिस्ट्रीकार्यालय हीन्दपुर में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 12-1-1978

मोहर।

प्रारूप धार्ष्टी टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 189/77-78—यतः मुझ, के० एस० वेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० 7-3-250 है, जो हीन्दपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हीन्दपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269(1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नारायणनम्मा पति आत्मावेनकटरामय्या वेपारी, करनूल ।

(अन्तरक)

2. श्री ए० एन० प्रवीण कुमार

उसका माता :

श्रीमती ए० एन० शानता कुमारी,
मेन बाजार, हीन्दपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

आधा भाग घर नं० 7-3-250 हीन्दपुर, में रजिस्ट्री का दस्तावेज, नं० 1185/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हीन्दपुर में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 12-1-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 190/77-78—यतः मुझे, के०
एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 11/5/4 है, जो अलवाल, हैदराबाद वेस्ट में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 9-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. श्रीमती ऊमा देवी, पती के० सीतारामाराजू
घर नं० 8-77, गोल नाका, अलवाल हैदराबाद जिला।
(अन्तरक)

2. श्री बी समपतलाल सुराना पिता भकवा वरमूल सुराना
जेन घर नं० 506, सदर बाजार, बीलारम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-5/4 जगा नं० सी-92, सी-93 सर्वे नं०
190 विस्तीन-344 बर्ग यार्ड, लोतकुण्टा अलवाल हैदराबाद
वेस्ट, में है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1058/77 उप रजिस्ट्री
कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अजमेर रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 191/77-78—यतः मुझे के० एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6-4-478 है, जो कृष्णानगर, कालोनी, बीलकपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्रीमती कैलाश गोरी पती स्वर्गीय ननद शनकर और रावल, 6-4-478 कृष्णानगर, कालोनी, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती महालक्ष्मी बी० एम० एकामबरम, पति बी० एकामबरम

घर नं० 6-4-478 गौधीनगर सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 6-4-478 (प्लॉट नं० 31 और 32/2) कृष्णानगर कालोनी, बीलकपुर, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 676/77 उपर जस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० नं० 192/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुली जमीन नं० 110, जो बाकारम गऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जे० पराम किशन राउ,
घर नं० 1-1-380/10 आशोक बाग, नगर, मया-
बाकारम, हैदराबाद ।
(अन्तःकर)

2. श्री महमद अब्दुल कादर,
घर नं० 1-8-155/5, पेनडर यास्ट रास्ता सिकन्दरा-
बाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुली जमीन सरवे नं०-110 बाकारम गऊ, 9 और 17 का भाग है, आशोक नगर बाकारम हैदराबाद विस्तीर्ण 426 वर्ग यार्ड है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1143/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 12-1-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 193/77-78—यतः मुझे, के०
एस० बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 110 है, जो बाकारम गाउ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 6-5-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० ग्रामकिशन राउ, घर नं० 1-1-380/10,
अशोक नगर, (नया बाकारम), हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री उबहुल रजाक
घर नं० 1-5-388/1, जमोस्तापुर, मार्केट,
मुशीराबाद, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

कुली जमीन सरखे नं० 110 बाकारम गाउ, प्लॉट नं०
9 और 17 में है । आशोक नगर, हैदराबाद जिसका वीस्तीर्ण
600 वर्ग यार्ड है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1144/77 उप-
रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० एस० बेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-1-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 194/77-78—यतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-4-454 है, जो नामपली, हैदराबाद में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 30-5-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-456GI/77

1. श्रीमती सरवरी बंगम, पती स्वर्गीय महमूद मसीमीदीन
सैयद, , मलकपेट, हैदराबाद
(अन्तरक)

2. श्री इकबाल सैयद, पोता जैनुलाबोदीन,
5-4-454, नामपली, हैदराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घर का नं० 5-4-454, इसका सामने का भाग नामपली
स्टेशन रोड, हैदराबाद । विस्तरण 283 वर्ग यार्ड रजिस्ट्री
दस्तावेज नं० 1237/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 195/77-78—यतः मुझे,
के० एस० वेंकटरामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 15-1-5 है, जो ऊसमान गंज,
हैदराबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन 30-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सीला बाबी,
घर नं० 15-1-1, ऊसमान गंज,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री हातीम अली, प्लॉट नं० 14,
दोमजिला, मदीना घर, पतरगटी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मलगी नं० 15-1-5 ऊसमान गंज, हैदराबाद रजिस्ट्री
वस्तावेज नं० 1149/77, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद
में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-1-1978

मोहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी, 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 196/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जगा नं० 3 है, जो बशीरबाग प्यालेस में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. हैदराबाद डीसप्लेसड परसनस होसिंग कोअपरेटिव सोसाइटी, श्री मूलचन्द के द्वारा, पेनडरहास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री अमरलाल धर नं० 21-1-24, लीलाराम धर रीकाबगंज हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन नं० 3 बीस्तीर्न 438 वर्ग यार्ड धर नं० 5-9-30/1, बशीरबाग पैलेस, हैदराबाद बाग है । रजिस्ट्री की दस्तावेज नं० 1005/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० नं० 197/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 है, जो बशीर बाग प्यालेस, में
स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 10-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. हैदराबाद डीसप्लैसड परसन्स हाउसिंग कोऑपरेटिव
सोसाइटी, उस का प्रेसीडेंट श्री मूलचन्द है
पेन्डरगस्त रास्ता सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. रमेश कुमार धर नं० 21-1-65,

रीकाबगंज, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6 बीस्तीर्ण 334 वर्ग याईधर नं० 5-9-30 /1
का भाग है, बशीर बाग पैलेस, हैदराबाद में, रजिस्ट्री का
दस्तावेज, नं० 1006/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० नं० 198/77-78—यतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 है, जो बशीरबाग प्यालेस में
स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
10-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दी हैदराबाद डीसप्लेसड परसन्स हौसिंग कोआपरेटिव
सोसाइटी लिमिटेड

उसका अधिकारी : श्री मूलचन्द है,
पेनडरघास्ट रास्ता, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल दास, घर नं० 3, शीरधन, बशीरबाग,
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7 विस्तीर्ण 307 वर्ग याडें घर नं० 5-9-30/1
भाग है, शीरबाग हैदराबाद में है । रजिस्ट्री दस्तावेज नं०
1007/77, उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० नं० 199/77-78 यतः— मुझे, के० एस० वेक्टरामन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9 है, जो बशीर बाग प्यालेस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दो हैदराबाद, डीसप्लेस्ड परसन्स हाउसिंग सोसाइटी इसका प्रेसीडेंटस श्री मूलचन्द है
पेनडर घास्ट रास्ता सिकन्दराबाद
(अन्तरक)

2. श्री सोबराज पिता जगताराम धर नं० 21-7-84/1, धानसी बाजर, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुली जमीन नं० 9 विस्तीर्ण 324 वर्ग याडें है, धर नं० 5-9-30/1 बशीर बाग हैदराबाद का भाग है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1008/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 16-1-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० नं० 200/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 है, जो बशीरबाग, प्यालेस, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. दी हैदराबाद डीसपलैसड परसन्स कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
उसका अधिपति श्री मूलचन्द पेनडरगस्ट रास्ता
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री सुनहरदास जेवतराम लालवानी, धर नं० 1-2-365/5/1, गगन महल, रास्ता, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुली जमीन प्लॉट नं० 4 वीस्तीर्ण 372 वर्ग यार्ड धर नं० 5-9-30/1 का भाग है, बशीर बाग प्यालेस, हैदराबाद में रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1010/77 है उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 201/77-78---यतः मुझे, के० एस०
वेंकटरामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 15-1-503/ए20 है, जो सीदी मेम्बर
बाजार, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हैदराबाद दुदबोली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 30-5-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किता आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने की
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—

1. श्री एम० डी० खन्ना और आर० डी० खन्ना घर नं०
270, मोरउपल्ली, सिकन्द्राबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० राजम्मापति आर० वीरय्या श्री श्रीशणा
और कम्पनी गलासबेर मरचेंट्स को द्वारा
नेजामशही रास्ता, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

3. जोइन्ट ट्रान्सपोर्ट कम्पनी, चन्द्राकान्ता
पिता शीव लाल, घर नं० 15-1-503/ए/20
बेजामगडी, रास्ता, हैदराबाद ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में वृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

शाप नं० 15-1-503/ए/20 अशोक मारकोट, सीटी
अमबर बाजार, हैदराबाद में है, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 382/77
उप-रजिस्ट्री कार्यालय दुदबोली, हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-1-78

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 जनवरी 1978

निदेश सं० 5643/में/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 21/बी०/1 भीमन्न मुवलि गार्डन, मद्रास 18
में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास (डाकुमेन्ट
453/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तु :—
8-456 GI 77

(1) श्रीमती बी० सरला और श्री हीरासास ।
(अन्तरक)

(2) श्री एल० बी० नरसिंह राव, श्री बी० श्रीनिवास, और
श्री डी० बी० बी० प्रसाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 18, भीमन्न मुवलि गार्डन स्ट्रीट डोर सं० 21-बी०/1
में 2 ग्राउन्ड और 1336 स्क्वियर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

के० पोन्नन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 24-1-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एलमलै ।

(अन्तरक)

(2) ती पाल्घाट क्रेडिट, कार्पोरेशन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

निदेश सं० 3856/मै०/77:—यतः, मुझे, के० पोन्नन,, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 42, कुबेरानपति कोविल स्ट्रीट, मनियलकन नगर, मद्रास-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बटूर (डाकुमेन्ट 368/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-5-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 50, मनियलकन नगर, कुबेरानपति कोविल स्ट्रीट, सं० 42 में 2152 स्कुयर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-1-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एम० एस० कासिनातन और वे० एम० एस० मुतैयन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) ती० बार्न मटल शीट रोलिंग मिल्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज II, मद्रास

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास-600006, दिनांक 9 जनवरी, 1978

निदेश सं० 3864/मे/77:—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 193/4, 193/5; 193/6; 193/7; 193/8 और 193/14 है, जो एलुमिचंगापालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, स्वामिमलै (डाकुमण्ट 359/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख, 12-5-1977

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तन्जावर जिला, कुम्बकोनम तालुका; दारासुरम पन्चायट लिमिटेड, एलुमिचंगापालयम गांव में 2-12 एकड़ (मकान के साथ) (नया सर्वे सं० 193/4; 193/5; 193/6; 193/7; 193/8; और 193/14) ।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-1-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री राजा राजगोपाल तोन्डमान ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) चेम्बर आफ कामर्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 9 जनवरी 1978

निवेश सं० 3878/मं/77:—यतः, मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 2429, है, जो वार्ड सं० 5
ब्लॉक 37 वेस्ट मेरिन स्ट्रीट, पुकुकोट्टे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे० एस० आर० I पुकुकोट्टे (डाकुमेण्ट 685/77) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3 मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पुकुकोट्टे, (वेस्ट मेरिन स्ट्रीट), ब्लॉक 37, मुनिसिपल वार्ड
सं० 5, टी० एस० सं० 2429, में 7642 स्क्वयर फीट का भूमि
(मकान के साथ)।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-1-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मोहम्मद साहिब ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एन० के० ए० सुलैका बीवि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

123, माऊन्ट रोड, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 3879/म/77:—यतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

और जिसकी सं० मजीड कालनि अडप्प वयल, पदुकोट्टे में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I पदुकोट्टे, (आकुमेट 848/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-5-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पुदुकोट्टे, अडप्पन वयल पहला स्ट्रीट, सं० 124, 125, 126, 127 और 128 में भूमि (17,710 स्क्वयर फीट) और मकान।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 3 जनवरी, 1978
मोहर :

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० एकलपानम अयर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती जी० सुरिय अम्माल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 12 जनवरी, 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निदेश सं० 3880/मे/77:—यतः, मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 34, दूसरा मयिन रोड, श्रीनगर कालनि, कुम्ब-
कोनन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुम्बकोनन
'डाकुमेंट 699/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-5-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

कुम्बकोनन, श्रीनगर कालनि, दूसरा मयिन रोड, सं० 34,
में भूमि और मकान।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 12-1-78
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी, 1978

निर्देश सं० 3881/म०/77:—यतः मुझे के० पोन्न, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 2376/2 विलार रोड़, तन्जाऊर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तन्जाऊर 'डाकुमेंट' 1226/77 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री टी० के० राममूर्ती ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनिकन्ड रेडियार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

तन्जाऊर, विलार रोड़, 14375 स्क्वयर फीट (टी० एस० सं० 2376/2) (मकान के साथ) ।

के० पोन्न,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3 जनवरी, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

मद्रास-650006, दिनांक 3 जनवरी, 1978

निदेश सं० 3883/मै०/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 16 और 16 ए०/ सौत मडवलागम स्ट्रीट, करूर,
म स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करूर वेस्ट 'डकुमेन्ट
1611/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 21-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अम्मैयप्प गोण्डर और ए० नटराजन ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० बी० राजु पिह्लै ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करूर, सौत मडवलागम स्ट्रीट, सं० 15, और 16 एम
भूमि और मकान ।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्रीमती एस० उशाराणि ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

अर्जन रेंज II

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

निदेश सं० 4292/मै०/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

और जिसकी सं० 37, टाटाबाद तीसरा स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गादिपुरम (डाकुमेण्ट 342/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख में 1977 को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

अनुधुनी

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सफल के लिए ;

कोयम्बतूर, जी० एस० सं० 206 और 208, संगनूर गांव, टी० एस० 11/117, प्लॉट सं० 166 में 7 सेंट और 404 स्क्वयर फीट में भूमि (भकान के साथ) ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

के० पोन्नन,
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

(1) श्रीमती कुंजम्माल ।

दिनांक : 3 जनवरी 1978 ।

(अन्तरक)

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

निदेश सं० 4292/में०/77:—यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 37 ए०, टाटाबाद तीसरा स्ट्रीट, कोयम्बतूर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांतिपुरम (डाकुमेण्ट
343/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख में 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कुन्जम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० निर्मला देवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

कोयम्बतूर, संगनूर गांव, जी० एस० सं० 206 और 208,
टी० एस० सं० 11/417, प्लॉट सं० 166 में 7 सेन्ट और 263
स्क्वियर फीट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 3 दिसम्बर 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 3 जनवरी 1978

निर्देश सं० 4348/जून/77:—यतः मुझे, के० पोन्न,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 16/35, बेरियाडु चेट्टियार ले आउट, मेटुपालयम
रोड़, आर० एस० पुरम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेंट 1313/77) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-6-
1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एच० मोहमद हुसैन और एच० अब्दुल कलम।
(अन्तरक)

(2) श्री पी० ए० बाबा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, मेटुपालयम रोड़, बेरियाडु चेट्टियार ले आउट,
सैट : 35 में 6800 स्क्वियर फीट का भूमि (मकान के साथ)
(डोर सं० 16/35, नया टी० एस० सं० 8/1363/1 ए०-भाग)।

के० पोन्न,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II; मद्रास

तारीख : 3 जनवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती वी० पोन्नम्माल ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दुरैराजु और गोमति अम्माल ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निदेश सं० 30/मई/1977:—यतः, मुझे, ए० टी० गोविन्दन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 36 (टी० एस० सं० 1135) है, जो नार्थ वेल स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पतुमन्डपम, मदुरै (पत्र सं० 468/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मदुरै, नार्थ वेल स्ट्रीट, डोर सं० 36 (टी० एस० सं० 1135) में 2178 स्क्वियर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

ए० टी० गोविन्दन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 17 जनवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री गाडविन आनराब और आदी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री कन्याकुमारी गुरुकुल आषरम ।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक, 17 जनवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 43/मई/1977:—यतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 511/2, 512/2, 513/1, 513/2, 514/1 और 514/3 खरंगुलम है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पनगुडि (पत्र सं० 442/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन में 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

तिरुनेलवेलि जिला खरंगुलम गांव (एस० सं० 511/2 (7.74 एकड़), 512/2 (5.60 एकड़), 513/1 (5.03 एकड़), 513/2 (6.83 एकड़), 514/1 (6.457 एकड़) और 514/3 (0.24 एकड़) में 32.01 एकड़ खेती की भूमि ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 17-1-78

मोहर :

ए० टी० गोविन्दन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

रूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

निर्देश न० 787 ए०/अर्जन/रुड़की/77-78/5902.—

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-5-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

((ख)) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अमरगढ़ पुत्र अहमद निवासी ग्राम मिरजापुर मुस्तकाबाद डा० लन्धोरा परगना रुड़की जिला सहारनपुर (अन्तरक)

(2) श्री शराकत एवं यासीन पुत्रगण नबी बक्श, असगर पुत्र जकरा, मकसूद नूर एवं जाहिद पुत्रगण रहीम बक्श निवासी मिरजापुर मुस्तकाबाद, परगना रुड़की जिला, सहारनपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 6 बीघा 18 बिस्वा 10 बिस्वासी स्थित मिरजापुर मुस्तकाबाद रुड़की जिला सहारनपुर 25,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 16-12-1977

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th January 1978

No. A.12019/5/76-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri S. S. Prasad, S.S.O.-I of the Armament Research and Development Establishment, Ministry of Defence, Pune-411001 to the temporary post of Manager (E.D.P.) in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of the 28th December, 1977, until further orders.

The 6th January 1978

No. A.12025/1/77-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri V. C. Jain, a Programmer of the CEA, R. K. Puram, New Delhi to the temporary post of Programmer in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 31-12-1977.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st December 1977

No. A.32014/1/77-Admn.III(1).—In modification of this office notification of even number dated 1-12-77, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 12-11-77 to 9-12-77 (F.N.) or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(2).—In modification of this office notification of even number dated 1-12-77, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 20-11-77 to 29-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(3).—In continuation of this office notification No. A.32011/1/77-Admn.III dated 1-10-77, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-1-78 to 31-1-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(4).—In continuation of this office notification No. A.32011/1/77-Admn.III dated 1-10-77, the President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-1-78 to 6-1-78 (F.N.) or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(5).—In continuation of this office notification of even number dated 18-10-77, the President is pleased to appoint Shri I. J. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 3-12-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(6).—In continuation of this office notification of even number dated 2-11-77, the President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 7-12-77 to 24-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 20th January 1978

No. 97 RCI 32.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri P. C. Khurana, an Assistant Director of Horticulture of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner (Hort.) in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 13th January, 1978, until further orders.

The 21st January 1978

No. 87 RCT 28.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission in an officiating capacity with effect from the 18th January, 1978 to 28th February, 1978 or until further orders, whichever is earlier.

SHRI NIVAS,
Under Secretary,
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNELS & ADMINISTRATIVE REFORMS)

New Delhi, the 18th January 1978

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

F. No. A-19014/1/77-Ad.V.—Shri R. P. Gupta, officiating Grade I officer of C.S.S. and Administrative Officer, Central Bureau of Investigation has relinquished charge of the office of Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation, Head Office, New Delhi with effect from the forenoon of 26-12-77.

A. K. HUI,
Administrative Officer (E),
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 2nd January 1978

No. 0-II-1202/75-Est.—Consequent on his repatriation to Orissa State, Shri Ajit Kumar Ghosh, relinquished charge of the post of Dy.S.P. (Coy. Comd.), 9th Bn., CRPF, on the afternoon of 31-12-77.

The 24th January 1978

No. 0-II-1078/77-Est.—The President is pleased to appoint Dr. Bhola Shanker Mishra as GDO, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comd.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th December, 1977 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
(CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-110024, the 17th January 1978

No. I-38013(3)/15/77-Pers.—On transfer from Bombay Shri P. A. Pandharkar assumed the charge of the post of Asstt Commandant CISF Unit, HOC Ltd. Rasayani, Distt. Kolaba with effect from the forenoon of 30th December, 1977 viz. Shri S. K. Arora, who relinquished the charge of the said post with effect from the same date on transfer to Bareda.

The 20th January 1978

No. I-38013(3)/15/77-Pers.—On transfer from Kolaba, Shri S. K. Arora assumed the charge of the post of Asstt,

Commandant CISF Unit IOC Gujarat Refinery, Baroda with effect from the forenoon of 9th January, 1978.

L. S. BISHT,
Inspector General/CISF

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
(OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA)

New Delhi, the 17th January 1978

No. 29-58-CA-171.—Shri P. S. Rao, Audit Officer (Commercial) has voluntarily retired from Government service with effect from 29-12-1977 (A.N.) under the provision of the scheme of voluntary retirement for Central Government Employees.

S. D. BHATTACHARYA,
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th December 1977

No. Admn. I/447.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an Officiating capacity in the Scale of Rs. 840-40-1000-E. B.-40-1200 with effect from the dates noted against each :—

1	2	3	4
	S/Shri		
1.	M. S. Atmanathan . . .	(02/0225)	1-11-77 Forenoon
2.	A. G. Paranjape . . .	(02/0226)	14-11-77 Forenoon
3.	G. P. Jain . . .	(02/0229)	31-10-77 Forenoon
4.	S. S. Mishra . . .	(02/0230)	31-10-77 Forenoon
5.	D. R. Dighe . . .	(02/0231)	31-10-77 Forenoon

KRISHNA GOPAL,
Sr. Dy. Acctt. General (Admn)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
(OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS)

New Delhi-110022, the 21st January 1978

No. 18338/AN-IL.—On attaining the age of 58 years, Shri M. Venkataramayya, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 30-9-1978.

V. S. BHIR,
Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF LABOUR
(LABOUR BUREAU)

Simla-171004, the 8th February 1978

No. 23/3/77-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960 = 100 for December, 1977 remained stationary at its November, 1977 level of 330 (three hundred and thirty). Converted to base : 1949 = 100 the index for the month of December, 1977 works out to 401 (four hundred and one).

TRIBHUVAN SINGH
Deputy Director

MINISTRY OF COMMERCE
(OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS)

New Delhi, the 18th January 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/481/57-Admn.(G)/829.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Bahl, a permanent Controller of Imports and Exports, Non-CSS (Class-II) in this Organisation as Deputy Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th July, 1977, until further orders.

The 23rd January 1978

No. 6/100/55-Admn.(G)/979.—The President is pleased to appoint Shri K. Jayaraman, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay for a period of three months with effect from the afternoon of the 19th November, 1977.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 23rd January 1978

No. A-19018/308/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Goverdhan Das Gidwani as Assistant Director (Gr.I) (Electrical) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. 8th December, 1977 (F.N.).

2. Consequent upon his appointment as Asstt. Director (Gr.I) (Electrical) Shri Goverdhan Das Gidwani assumed the charge of his post in the Production Centre, Thiruvalla on the forenoon of 8th December, 1977.

V. VENKATRAYULU,
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL & MINES
(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 9th January 1978

No. Admn.PF(415)/53(.).—On attaining the age of superannuation Shri Santosh Kumar Ghosh, Asstt. Iron and Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st December, 1977.

No. EI-15(6)/77(.).—On attaining the age of superannuation Shri S. R. Bose Roy, Asstt. Iron and Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st December, 1977.

A. C. CHATTOPADHYAY,
Dy. Iron & Steel Controller,
for Iron and Steel Controller

DEPARTMENT OF MINES
(INDIAN BUREAU OF MINES)

Nagpur, the 13th January 1978

No. A.19011(66)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri G. N. Sinha, Deputy Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines as Mineral Economist (Int.) in officiating capacity in the scale of Rs. 1300-50-1700/- with effect from the forenoon of 19th December, 1977.

The 20th January 1978

No. A.19011(68)/75-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Rai, Deputy Mineral Economist (Int.) Indian Bureau of Mines as Mineral Economist (Int.) in officiating capacity in the scale of Rs. 1300-50-1700/- with effect from the forenoon of 19th December, 1977.

No. A.19011(90)/75-Estt.A.—Dr. A. K. Ray, permanent Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Deputy Ore Dressing Officer in Group

'A' post in Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from 13th December, 1977.

L. C. RANDHIR,
Head of Office,
Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA (INDIAN MUSEUM)

Calcutta-700 016, the 19th November 1977

No. 4-142/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri D. B. Sastry to a post of Assistant Anthropologist (Physical) in this Survey at the South India Region, Mysore, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 7th November, 1977, until further orders.

C. T. THOMAS,
Senior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA (SURVEYOR GENERAL'S OFFICE)

Dehra Dun, the 17th January 1978

No. E1-5333/594-Managers.—Shri Swapan Chakraborty is appointed to officiate as Account Manager, Map Reproduction appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS Group B) in the Pilot Map Production Plant (CST & MP), Survey of India, Hyderabad in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 2nd January, 1978 (F.N.) until further orders.

The 20th January 1978

No. C-5334/718-A.—Shri Ganesh Lal, officiating Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on *ad hoc* basis in Southern Circle Office, Survey of India, Bangalore, on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 2nd January 1978 (F.N.) *vice* Shri Karunamoy Mukherjee, Establishment and Accounts Officer retired on superannuation on 31st December, 1977 (A.N.).

K. L. KHOSLA,
Major General,
Surveyor General of India,

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 18th January 1978

No. 4(19)/76-SI.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Shri Roop Krishan Bhat, relinquished charge of the post of Programme Executive at Radio Kashmir, Srinagar on the afternoon of 31st December, 1977.

No. 4(81)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Kirtida Pramodray Vora as Programme Executive, All India Radio, Bhuj in a temporary capacity with effect from 1st November, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ,
Dy. Director (Admn.)
for Director General

No. 10/84/77-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri D. N. Tripathi to officiate as Assistant Engineer at All India Radio Calcutta w.e.f. 8-12-77.

A. K. BOSE,
Deputy Director, Administration

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 29th December 1977

No. 12026/4/77-Est.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri A. N. Gupta, permanent—456GI/77

ment Accounts Officer in the office of the Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu Cantt., to officiate as Accounts Officer in this Directorate with effect from the forenoon of 19-12-1977, until further orders.

R. DEVASAR,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 21st January 1978

No. A.12025/22/76(HMD) Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B. B. Nag, Accounts Officer, Central Institute of Psychiatry, Ranchi as Administrative Officer at the same Institute with effect from the forenoon of 24th December, 1977 in a temporary capacity and until further orders.

On reversion to West Bengal Civil Service Shri Nani Gopal Chakraborty relinquished charge of the post of Administrative Officer, Central Institute of Psychiatry, Ranchi on the afternoon of the 23rd December, 1977.

The 23rd January 1978

No. A.12025/5/77-D.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Talwar to the post of Senior Scientific Officer, Grade II (Chemistry) in the Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, on a purely temporary basis, with effect from the forenoon of the 19th December, 1977 and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O & M)

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT (OFFICE OF THE GENERAL MANAGER: MADRAS TELEPHONES)

Madras-600 001, the 20th January 1978

No. AST/DE-5/XVII/28.—Shri G. Subramanian, who was officiating as Divisional Engineer in local arrangement in this District stands reverted to his parent cadre with effect from 26-9-77 forenoon.

S. N. R. NAMBISAN,
Asstt. General Manager (Admn.)
for General Manager

Madras-600001, the 21st January 1978

No. AST/AE-5/16.—The General Manager, Madras Telephone District is pleased to appoint the undermentioned Junior Engineers to officiate as Asst. Engineers in local arrangement in Madras Telephone District for the period mentioned against each:—

Sl. No.	Name	Date of Promotion to TES Gr. 'B'	Date of reversion to parent cadre
1	2	3	4
	(S/Shri)		
1.	B. S. Nagarajan	15-10-77	3-12-77 Afternoon
2.	R. Sampath	14-11-77	—
3.	B. S. Ramaswamy	29-11-77	—
4.	B. S. Nagarajan	6-12-77	

No. AST/AE-5/17.—The undermentioned Junior Engineers who are Officiating as Assistant Engineers in local arrangement in Madras Telephone District stand reverted to their parent cadre with effect from the dates mentioned against each.

Sl. No.	Name of the J. E. Officiating as A. E. in local arrangement	Date of reversion to parent cadre.
1	2	3
1.	Sri V. Subramanian	1-10-77 Afternoon
2.	Sri Y. Bhanumurthy	6-10-77 Afternoon
3.	Sri R. Sampath	1-11-77 Afternoon
4.	Sri B. S. Ramaswamy	3-11-77 Afternoon

S. N. R. NAMBISAN,
Asst. General Manager
(ADMN)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES)

Bombay-400 001, the 16th January 1978

No. DPS/23/2/77-Est.2757.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. M. Mondkar, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as a temporary Assistant Stores Officer on an *ad hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from 12-12-77 to 13-1-78 *vice* Shri A. R. Tondwalkar, Assistant Stores Officer, granted leave.

B. G. KULKARNI,
Assistant Personnel Officer

Bombay-400 001, the 18th January 1978

No. DPS/2/1(25)/77-Estt.3145.—In continuance of this Directorate Notification of even number dated November 28, 1977, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nelluvai Hariharu Iyer Krishnan, Accountant, of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis, in the same Directorate for a further period ending February 28, 1978.

B. G. KULKARNI,
for Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
(INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 19th January 1978

No. E(1)00951.—The Director General of Observatories hereby appoints Dr. S. S. Bhandari, as Assistant Meteorologist, in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Civil Service, Group B) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29th November, 1977 and until further orders.

Dr. Bhandari is posted to Meteorological Centre, Gauhati under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA,
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 12th January 1978

No. A.12025/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri Ajay Kumar Luthra as Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from

the 26-12-1977 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi.

The 20th January 1978

No. A.12025/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri Manabendra Nath Roy as Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 9-12-77 (FN) and until further orders and to post him at the Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport, Dum Dum.

No. A.38012/1/77-EC.—Shri P. I. David, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of his office on the 31st Dec. 1977 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.39012/3/77-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Ject Singh Chhabra, Technical Officer in the office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi with effect from the 9-12-1977 (AN).

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 19th January 1978

No. A 32013/5/77 EA.—The President has been pleased to appoint the following Aerodrome Officers to the grade of Senior Aerodrome Officer in the Civil Aviation Deptt; in an Officiating capacity, with effect from the dates noted against their names and until further orders.

Sl. No.	Name	Date	Station
1	2	3	4
1.	Shri S. M. Das.	12-1-78	Madras Airport, Madras.
2.	Shri S. L. Sabherwal	26-12-77	Calcutta Airport, Dum Dum (Posted as Senior Air Safety Officer, RD Office.)
3.	Shri Jagan Nath.	9-12-77	Udhampur.
4.	Shri G. S. Budal	5-11-77	Bombay Airport, Bombay.

V.V. Johri,
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th January 1978

No. 1/443/78-EST.—Shri M. B. Govande, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on *ad hoc* basis, in the same office, with effect from the forenoon of 2nd January, 1978, and until further orders.

The 21st January 1978

No. 1/451/78-EST.—Shri B. Rama Rao, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on *ad hoc* basis, in the same office, with effect from the forenoon of 2nd January, 1978 and until further orders.

P. G. DAMLE,
Director General

Bombay, the 20th January 1978

No. 1/425/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Basu, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 2-5-77 to 8-8-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/311/78-ES1.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Paes, Supervisor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 31-10-77 to 2-12-77 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY,
Administrative Officer,
for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
(CUSTOMS & CENTRAL EXCISE)

New Delhi, the 19th January 1978

No. 4/1978.—Shri Bhagwan Singh Office Supdt., is appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from the 17th January, 1978 (forenoon) *vice* Shri Hari Dev Sharma retired.

The 24th January 1978

No. 3/78.—Shri S. N. Verma, a permanent Office Supdt., officiating as Asstt. Chief Accounts Officer, in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi, is appointed to officiate as Administrative Officer in the same Directorate with effect from 31-12-77 (AN) and until further orders *vice* Shri Hari Dev Sharma retired.

S. VENKATARAMAN,
Director of Inspection

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 19th January 1978

No. 33/1/77-ECIX.—The Director General of works C. P. W. D. is pleased to appoint the following candidates nominated by the U. P. S. C. against temporary posts of Assistant Architects (G. C. S. Group B) in the CPWD on the pay as noted against each in the scale of Rs. 650-30-740-35-810 FB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the dates noted against each on the usual terms and conditions.

2. These Officers are placed on probation for a period of two years with effect the dates mentioned against their names.

Sl. No.	Name	Pay	Post against which adjusted	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Miss Asha Harwalker	Pay to be fixed according to rules after satisfactory completion of period of probation of two years for the present she will draw pay of Rs. 650/-P. M. @.	Against one of the existing vacancy in SA (H & TP) II unit Co. CPWD, New Delhi	The S. O. Cash Section may draw her pay with effect from 30-12-77 FN.
2.	Shri O. P. Bharadwaj	Do.	Against an existing vacancy in SA (NZ) IX CPWD, R. K. Puram.	The CE (NZ) CPWD may draw her pay w. e. f. 7-1-78 F.N.

D. P. OHRI,
Dy. Director of Admn.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of P.T.T. Chit Fund and Finance Private Limited

Pondicherry-1, the 17th January 1978

No. 71/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company 'P.T.T. Chit Fund and Finance Private

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 18th January 1978

No. A-19012/18/77-Adm.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri B. K. Goswami, Research Assistant to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Guhati Gauging Division, Gauhati, Central Water Commission, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis w.e.f. 31-10-1977 (1-N) upto the end of February, 1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

Shri B. K. Goswami assumed charge of the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Guhati Gauging Division, Gauhati w.e.f. 31-10-1977 (forenoon).

The 19th January 1978

No. 8-32014/1/77-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman Central Water Commission hereby appoints the following Supervisors who are presently officiating in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on *ad hoc* basis, on a regular basis in the same grade, in an officiating capacity, with effect from the dates shown against each :—

1. Shri D. Prabhakar—30-7-1977 (A.N.).

2. Shri C. Hari Das—3-6-77 (F.N.).

2 The above officer will be on probation for a period of two years with effect from the dates shown against their names.

J. K. SAHA,
Under Secretary
Central Water Commission

Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA,
Registrar of Companies,
Pondicherry

OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES, GOA, DAMAN AND DIU

"In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Goa Minerals Private Limited

Panaji, the 16th January 1978

No. 87/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the ex-

piration of three months from the date hereof the name of the Goa Minerals Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. R. GHAROTE,
Registrar of Companies,
Goa, Daman & Diu
Panaji

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
PUNJAB, H. P. & CHANDIGARH, MODEL TOWN

*"In the matter of the Companies Act, 1956, and of Money
Plant Finance & Chit Fund Private Limited*

Jullundur, the 19th January 1978

No. G/Stat/560/3189/11168.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Money Plant Finance & Chit Fund Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies,
Punjab, H. P. & Chandigarh

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s Pandian Corporation Limited

Madras-600 006, the 21st January 1978

No. 2099/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Pandian Corporation Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,
Asstt. Registrar of Companies,
Tamilnadu

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT
SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi-110002, the 12th January 1978

P. No. 37/5/76-AD.DOMS/1483.—On their selection for appointment on deputation, the following Asstt. Directors (Programme), Office of the Registrar General, India, New Delhi, have assumed the charge of the Office of the Systems Officer, Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi, w.e.f. the forenoon of 1st December, 1977.

- (1) Sh. V. V. Rao.
- (2) Sh. M. P. Rao.
- (3) Sh. R. P. Gupta.

JAGDISH CHAND,
Directorate of Organisation &
Management Services (Income-tax),
New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th December 1977

Ref No. Acq/787-A/Roorkee/77-78/5902.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 31-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Asgar S/o Ahmad, R/o Vill. Mirjapur Mustafabad, P.O. Landhora, Parg. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Sharafat and Yaseen sons of Nabi Baksh Asgar S/o Jafra, Muqsood, Noora and Jahid sons of Rahim Baksh, R/o Mirjapur Mustafabad, Parg. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land measuring 6 Bigha, 18 Biswa, 10 Biswansi situated at Mirjapur Mustafabad, Roorkee, Distt. Saharanpur, Transferred for an apparent consideration of Rs. 25,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-12-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajeev Sharma S/o Rajendra Prakash Sharma
R/o Cheepee Talab, Meerut City.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tolaram S/o Nirmal Singh, R/o Patel Nagar
meerut and S. Nirmal Singh S/o Tejram, Guniyana
Distt. Bhatinda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th December 1977

Ref. No. Acq/894-A/Meerut/77-78/5901.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Meerut on 10-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette on a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot No 34, measuring
355 S.Y.D. situated at chota Begum Bagh, Distt. Meerut
transferred for an apparent consideration of Rs. 42,600/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-12-1977
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Jimmu son of Dhumi, R/o Aaneeki Hetampur, P.O. Aurangabad, Parg. & Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Bhajan Singh & Ajit Singh & Teerath Singh sons of Mastan Singh, R/o Rathpur, Teh. Kalka, Distt. Ambala Present Address : Jagjitpur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th December 1977

Ref. No. Acq/949-A/Roorkee/77-78/5903.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on May 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 28 bigha situated at village Salempur, Roorkee, Distt. Saharanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 38,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 16-12-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd December 1977

Ref. No. Acq/752-A/Saharanpur/77-78/6377.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 19-5-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satish Chand Pathak son of Shyam Singh Pathak Professor, Jam Degree College Saharanpur.
(Transferor)

(2) Smt. Shashi Bala wife of Dr. Sunder Lal Agarwal, resident of Mission Compound, Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of double storied house situated at mission compound, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 23-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1978

Ref. No. 863-A/Acq/S. pur/77-78/6809.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—456/77

(1) S/Shri Satish Chand son of Mool Chand, Radhey Shyam son of Fakir Chand, Both resident of Nakhara, Saharanpur and Smt. Prem Devi Wife of Madan Lal, R/o Meeraganj, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Sani son of Mahavir Prasad R/o 13/706, Kabari Bazar, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied house bearing No. 13/706, Kabari Market Distt. Saharanpur, Transferred for an apparent consideration of Rs. 61,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1978

Ref. No. Acq/941-A/Mussoorie/77-78/6810.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on May 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dina Nath S/o Laxman Das, Ram Prakash S/o Gian Chand, Tilak Raj S/o Gian Chand, Vijay Kumar and Anil Kumar sons of Bal Kishan, Sirdi Ram son of Sita Ram, C/o M/s Gian Chand Dina Nath Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Viri Devi Wife of Surrender Singh Mallik R/o Doon view cottage, North side, Pancho Kanchhi Kutir, Mussoorie.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) facilitating the concealment of any income or any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of the property known as doon view cottage North side, Mussoorie, Transferred for an apparent consideration of Rs. 35,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Triveni Devi Wo Ganga Saran D/o Jwala Prasad Agarwal Gher Aasgran, Firozabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila Devi W/o Mohan Lal R/o Chaubeyji Ka Bagh, Firozabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 4th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Acq/782/Firozabad/77-78/6806.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Firozabad on May 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Plot of land situated at Sukhmulpur, Nijamabad, Chaubeyji Ka Bagh, Firozabad (Agra), Transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 4-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Ram Kumar S/o Ishwari Prasad, Girver Kishan S/o Munari Lal, Smt. Madhu Garg W/o Kanti Prasad R/o Dan Kaur, Distt. Bulandshahar, Smt. Sumitra Devi W/o Anand Prakash and Smt. Prakashwati W/o Mahendra Prakash R/o Kasba Sikandrabad, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 9th January 1978

Ref. No. Acq/1482-A/B. Sahar/77-78/7110.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 12-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Ram Kishan Sharma S/o Chokhey Lal, Rakesh Kumar, Rajesh Kumar, Mukesh Kumar and Dinesh Kumar, all sons of Ram Kishan C/o Visha Cinema, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 50% share in Milan Cinema building and its business, situated at Shikarpur, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,00,000/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 9th January 1978

Ref. No. Acq/750-A/Kanpur/77-78/7111.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Neni Bai wife of Hot Chand 122/548, Sindhi Colony, Shastri Nagar, Kanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Ratan Lal son of Udhoram, 107/170-A, Jawahar Nagar, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land and building bearing No. 122/547, Harihar Nath Shastri Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 9-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 18th January 1978

Ref. No. C.R. No. 62/9963/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. All that premises and property bearing present ML No. 5, 17th 'A' cross Road and 10th 'A' Main Road, Malleswaram Bangalore situate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 554/77-78 on 12-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri P. R. Aramadhru,
S/o Late R. Rajagopalan,
Superintending Engineer,
(M.P.) No. 5, 17th 'A' Cross Road and
10th 'A' Main Road,
Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. G. N. Ramachandran,
S/o Late G. R. Narayana Iyengar,
Professor of Bio Physics,
Indian Institute of Science and
residing at No. 5, 17th 'A' cross Road, and
10th 'A' Main Road,
Malleswaram, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 554/77-78 Dated 12-5-1977]
All that premises and property bearing ML No. 5, 17th 'A' cross road and 10th 'A' Main Road, Malleswaram, Bangalore.

Boundaries :

- E : 10th 'A' Main Road,
W : House built on old site No. 22,
N : Premises at present bearing ML No. 5/1, 17th 'A' Cross road and
S : House built on old site No. 32.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date . 18-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27. the 13th January 1978

Ref. No. C.R. No. 62/10310/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property old No. 282 and present No. 280/22, V. Main Road, 11th Cross, Road, Wilson Garden, situated at Bangalore-27 (Dn. No. 36), (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Doc. No. 555/77-78 on 30-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri G. R. Lakshmana Reddy,
S/o late M. Rama Reddy,
2. Smt. K. M. Kamalamma,
W/o Sri G. R. Lakshmana Reddy,
(3) Kum. G. L. Shobha,
(4) Kumar G. L. Chandra-shekara Reddy,
(5) Kumar G. L. Raja-shekara Reddy.
- Children of Sri G. R. Lakshmana Reddy, No. 3 to 5 (Minors) and they are rep. by their father and Natural Guardian Sri G. R. Lakshmana Reddy, All are residing at No. 4/1, Bangalore Street cross, Longford Town, Bangalore-27.
- (Transferor)
- (2) M/s Thanveer and Co.
Rep. by its Managing Partner
Sri M. A. Abdul Rafeeq
S/o Late Abdul Razach,
M.B.S. Buildings, M. G. Road,
Mulbagal, Kolar Dist.
- (Transferee)
- (3) 1. Sri A. Ananthiah Bhatt
1. M/s Hotel Janatha
2. M/s Shoba Stores
3. Sri Manjilal (Ground Floor)
4. M/s Escorts
5. Sri H. K. Lakshminarayana, Parimala Stores,
6. Sri Narasimhalah, M/s Lido Hygienic dressing,
7. M/s Mico Employees Association,
8. Sri J. Devaraj, M/s Uma Photo Studio,
(1st Floor)
[person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Regd. Doc. No. 555/77-78 Dated 30-5-77]
Property bearing old No. 282 and present No. 280/22, V Main Road, 11th Cross Road, Wilson Gardens, Bangalore-27.

Boundaries:

E: 11th Cross Road,
W: Site old No. 281,
N: V Main Road, and
S: Plot No. 283

J. S. RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date 13-1-1978.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
KAKINADA, CAMP : VIJAYAWADA

Kakinada, the 12th January 1978

Ref. No. 5747.—Whereas, I, N. K. Naga Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 44-1-8, situated at Chirala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on 9-5-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kakaraparti Venkata Sivaramaiah
S/o Venkateswarlu Chirala,
Prakasam District.

(Transferor)

(2) 1. Shri Tiru Veedhula Suryanarayana S/o
Bala Kotaiah,
2. T. Balagangadhara Ravi Kumar
S/o Suryanarayana
Railway Station Road, Chirala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 975/77 registered before the SRO, Chirala during the F. N. ended on 15-5-1977.

N. K. NAGA RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada
Camp : Vijayawada

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA, CAMP : VIJAYAWADA

Kakinada, the 12th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 573.—Whereas I, N. K. NAGARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12-5-27, situated at Bapatla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bapatla on 9-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
12—456GI/77

- (1) 1. Chadalavada Subrahmanyam, S/o Late Subbarao,
2. Ch. Sriramachandraprasad,
3. Ch. Radha,
4. Ch. Nirmala,
5. Smt. M. Sitarajagopal, GPA holder Ch. Subrahmanyam,
Gokul Bhavan, Seethaphalmandi,
Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Shri Yellampalli Pitchaiah, S/o Malakondaiah, Nalamvari St., Bapatla-522101,
Guntur Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 593/77 registered before the Sub-registrar, Bapatla during the fortnight ended on 15-5-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada
Camp : Vijayawada

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Meerabai, W/o K. Pushparajan,
Kurunnon Veettil,
Y. M. C. A. Road, Calicut.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. P. Ravindran,
5/1280, "Samthripthi", Panchama School Road,
Calicut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
MARFENA BUILDINGS, M.G. ROAD,
ERNAKULAM

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned,—

Ernakulam, the 3rd January 1978

Ref. L. C. No. 150/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Kalathilkunnu amsom desom (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 13-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

9 1/8 cents of land with buildings in R. Sy. No. 5-17-758 & 5-17-759 part in Kalathikunnu amsom desom in Kzhikode District.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-1-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. F. L. Raitt,
No. 10A, Magath Road,
Bangalore-25.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. P. David,
"Richelleu", Yercaud, P.O., Salem District,
Tamilnadu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 5th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;

Ref. I. C. No. 162/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASU-
DEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/-
and bearing Sy. No.

as per schedule, situated at North Wynad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Manantody on 20-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

326 acres 46 cents (132.17 Hectares) of land in Thirunelli
Amsom, Desom and village in North Wynad Taluk known as
"Bargiri-Estate" at Tholpetti with all improvements therein.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 5-1-1978
Seal :

FORM ITNS

(11 of 1922) or the Act, 1961 (43 of 1961) or
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) (i) Sri K. P. Chandradasan
(ii) Smt. Lakshmikutty,
(iii) Smt. Devi
(iv) Sri T. V. Gangadharan.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 10th January 1978

Ref. L. C. No. 163/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule, situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 27-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

19 cents of land with buildings known as "Janatha Hostel" in Sy. No. 63/1A & 1B (R. Sy. No. 133) Kariakunnu desom in Calicut Corporation.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1978
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Varghese.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. A. Kumaran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 10th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Ref. L. C. No. 165/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

as per schedule, situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trichur on 18-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

6½ Cents of land with buildings in Sy. Nos. 1153/8 & 1153/3 of Trichur village in Trichur District.

C. P. A. VASUDEVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. T. P. Nafeesa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Smt. Mariyoo,
(ii) N. K. Subaida.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 10th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. L. C. No. 164/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASUDEVAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Sy. No. as per schedule, situated at Kallai, Calicut (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kozhikode on 30-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

9½ cents of land with buildings in Kallai, Calicut.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 269D (1) of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-1-1978
Seal :

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

FORM ITNS—

(1) Sri Edward Dassiah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (i) Gangadharan Nair,
(ii) Sarasamma Nair,
(iii) Sasikala Vijayan,
(iv) Satheeshchandran Nair,
(v) Sureshkumaran Nair.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

MARRENA BUILDINGS, M.G. ROAD,
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Ernakulam, the 17th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. L. C. No. 166/77-78.—Whereas I, C. P. A. VASU-
DEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.
as per schedule, situated at Trivandrum

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thiruvattar on 10-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

9 cents 270 sq. links of land with buildings in Anchamada
village in Trivandrum.

THE SCHEDULE

C. P. A. VASUDEVAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 17-1-1978

Seal :

FORM ITNS(1) **Shri Saagappa and Shri Bhimappa; sons of Neelakanthappa Mandrup A.P.M.C. Bijapur.**

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) **Shri Mallikarjun Girimallappa Katti, Partner in M/s Jogur Nandi Co., A.P.M.C. Bijapur.**

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE**

Dharwar, the 25th January 1978

Notice No. 202/77-78/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. 1134/45 situated at Bijapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bijapur under Doc. No. 440 on 21-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at ward No. III bearing CTS No. 1134/45 at Bijapur.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwar

Date : 25-1-78
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Edward Gilbert Pinto, Coffee Planter, Sunam Estate, Sangameshwarpur Post (Dist. Chikmagalur) (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE

Dharwar, the 25th January 1978

(2) 1. Shri Cashmir Pinto S/o Pater Pinto, 2. Smt. Juliana Florina Benedicta Pinto W/o Cashmir Pinto, 3. Shri Richard Eric Victor Pinto, and 4. Shri Ronald Leslie Valarian Pinto, Coffee Planter, Hosagadde Estate, Kattinmane Post, Taluka Narasimharajpura, (Dist. Shimoga).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Notice No. 203/77-78/ACQ.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 109, 154, 184, 125 and 136, situated at Haravani Village, Balehonur Hobli, known as Hosangadd Estate, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasimharajpura, under document No. 22/77-78 on 10-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property known as Hosagadde Estate, situated at Haravani village, Balchonnur Hobli bearing survey Nos. 109, 154, 184, 125 and 136 total area 33 acres 24 gunthas.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
13—456GI/77

Date : 25-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 27th January 1978

Ref. No. CHD/40/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 166, Sector 20-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Miss Venu Kumari, through Shri Krishan Kumar Sagar s/o Shri Ganga Bishan, R/o 17, Kanpur Road, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Vasudova, R/o House No. 166, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE:

1½ Storey house No. 166, Sector 20-A, Chandigarh and measuring 198.33 sq. yards.

(Property as mentioned in Sale deed registration No. 381 dated 29-6-1977 registered in the office of the Registering Authority, Chandigarh.)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 27-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nola Ram s/o Shri Sewa Ram, R/o 1-D-6, NIT, Faridabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satish Kumar and Shri Sudarshan Kumar R/o H. No. 530, Sector 15-A, Faridabad. sons of Shri Diwan Chand

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 27th January 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. BGR/10/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bungalow on Plot No. B-6, Block D-NHI, N.I.T. situated at Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in May 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property consisting of a Bungalow on Plot No. B-6, situated in Block-D-NHI, NIT, Faridabad. The area of the land is 216 sq. yards.

(Property as mentioned in the sale deed registered by the Registering Authority, Ballabgarh at Sr. No. 685 dated 18-5-1977).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 27-1-1978

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Nand Singh S/o Shri Sant Ram R/o 13/14, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Devinder Kumar Chawla, S/o Shri Moti Ram Chawla, 13/14. WEA. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 24th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/269/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4 of 13/14 situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 24-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of a 2½ storeyed house constructed on a land measuring 276 sq. yds. bearing No. XVI/10597 Plot No. 14, Block 13, situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali
South : Gali
East : Others property
West : Gali

A. L. SUD,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New DelhiDate : 24-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 24th January 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/268/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4 of 13/14 situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-5-1977,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as against to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nand Singh S/o Shri Sant Ram, 13/14, WEA, Karol Bagh, New Delhi as Gen. Attorney of Shri Iqbal Singh, his son

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Kumar Chawla, S/o Shri Moti Ram Chawla, 13/14, WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of a 2½ storied house constructed on a land measuring 276 sq. yds. bearing No. XVI/10597 Plot No. 14, Block 13, situated in WEA, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Gali
South : Gali
East : Others property
West : Gali

A. L. SUD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date : 24-1-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri N. J. Gamadia and Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) M/s Gowani Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-1
BOMBAY

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Bombay, the January 1978

Ref. No. ARI/2036-11/77.—Whereas, I F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 4/755 of Malabar and Cumballa Hills Divn. situated at junction of B. Desai Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SCHEDULE as mentioned in the Registered Deed No. 1889/72/Bom. and registered on 24-5-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : January, 1978

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Pukhraj L. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sonarica Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(3) Members of the Society.

(Persons in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bombay, the 18th January 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. ARI/2034-9/77.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. 714 and 715 of Malabar and Cumballa of Hill Divn.

Peddar Road, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 9-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 3188/72/Bom and registered on 9-5-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18th January 1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 181/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half in 25/246 situated at Nandyal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on 21-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Rajamreddy Ramalinga Reddy, Bandi Atmakur Villg. Nandyal, Kurnool-Dist.

(Transferor)

(2) Shri Pyreddy Vijaya Bhaskara Reddy, Vudumalapuram, Villg. Nandyal-Tq. Kurnool-Dist.

(Transteree)

(3) Manager, Coop. Agricultural Development Branch H. No. 25/246 at Sanjeevanagar, Nandyal.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in the House No. 25/246 situated at Sanjeevanagar at Nandyal, Kurnool-Dist., registered vide Doc. No. 1489/77 in the office of the Sub-Registrar Nandyal.

K. S. VENKATARAMA,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajam Reddy Ramalinga Reddy, Bandi Atmakur, Village Nandyal-Tq., Kurnool-Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pyreddi Sethi Reddy, R/o Vudumalapuram, Village, Nandyal-Tq., Kurnool-Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

(3) Manager, Cooperative Agricultural Development Bank, H. No. 25/246 Sanjeevanagar, Nandyal.

(Person in occupation of the property)

Hyderabad, the 12th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. RAC. No. 182/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half in 25/246 situated at Sanjeevanagar Nandyal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on 21-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half share in House No. 25/246 at Sanjeevanagar, Nandyal, Kurnool-Dist., registered vide Document No. 1490/77 in the office of the Sub-Registrar Nandyal.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14-456 GI/77

FORM ITNS

(1) Shrimati Sher Banu Sajanlal, W/o Janab Jalaluddin Sajanlal Saheb, II. No. 11-6-862/1-D at Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shrimati Salcha Sultana Saheb W/o Syed Gulam Mohammed H. No. 11-6-862/1-A at Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 183/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-6-862/1A situated at Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on May 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor flat of House No. 11-6-862/1-A at Red Hills, Hyderabad, registered vide Document No. 1130/77 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mohd. Kareemullah, H. No. 13-3-57 at Mustaid-pura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Suraj Construction Co., Represented by partner Sri Harichand, H. No. 10-9-330-A at East Nahrnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 184/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 123, 124, 161 situated at Panjagutta, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 17-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 600 Sq. Yds. in S. No. 123, 124, and 161 situated at Panjagutta, Khairtabad, Hyderabad, registered vide Document No. 1187/77 registered with the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 185/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 229 situated at Ananthapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on 5-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Mekala Balappa, 2. M. Vasudevappa, 3. Sri M. Raghavendra Gowd, 4. M. Krishnaya, 5. Madhusudhan, 6. M. Sudhakar Gowd, S/s of Nagapa, R/o K. K. Agraharam, Ananthapur.

(Transferor)

- (2) Shri Kasummi Venkata Chalapathy, S/o Bala Venkatayya, D. No. 11/229 Sainagar, Ananthapur.

(Transferee)

- (3) S/Sri Jogamreddy, Contractor, 2. Sri Sambasiva Murthy, 3. Kurapati Narayana, 4. G. Mahanand. all residing at Door No. 229/11 Ananthapur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 229 in present ward No. 11 of Anthapur Municipality registered vide Document No. 1541/77 registered with the Sub-Registrar Ananthapur.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 186/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 14 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) M/s. The Hyderabad Displaced persons Housing Cooperative Society, Represented by the Present Sh. Moolchand, Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Shri Hundaldass Natarandass, H. No. 6-3-1105 at Somajiguda, Hyderabad.

(Trustee)

- (3) S. Kotumal, H. No. 6-3-883/A/2 at Panjagutta, Hyderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 433 Sq. Yds. bearing Plot No. 14 forming part of premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad, registered through Doc. No. 1009/77 in the office of the District Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 187/77-78.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open plot situated at Ameerpet Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 4-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri B. Bhama Reddy, S/o Veera Reddy, R/o Mubarakpur, Village, Via-Sangareddy. (Transferor)
- (2) 1. K. Durga Reddy, S/o Raghava Reddy, 2. K. Shyamamma W/o Kista Reddy, both residing at the service of notice on the respective persons, which (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 738 Sq. Yds. at Ameerpet, Hyderabad registered vide Document No. 1062/77 with the Sub-Registrar Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-1-1978

Seal:

FORM ITNS

- (1) 1. K. S. Yasodamma, W/o Stayanarayanaiah, Merchant at Main Bazar, of Hindupur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri A. N. Praveen Kumar, Minor by guardian and mother Smt. A. N. Shantakumari, Main Bazar, Hindupur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 188/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. 7-3-250 situated at Hindupur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hindupur on 30-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in H. No. 7-3-250 at Hindupur, registered in Document No. 1184/77 with Sub-Registrar Hindupur.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. A. Nagarathnamma, W/o Aytha Venkata-
ramiah, Merchant, Kurnool.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri A. N. Praveen Kumar, minor by guardian
Mother Smt. A. N. Shantakumari, Main Bazar,
Hindupur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 189/77-78.—Whereas, I, K. S.
VENKATARAMAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. 7-3-250 situated at Hindupur,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hindupur on 30-5-1977,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half share in H. No. 7-3-250 at Hindupur, registered vide
Document No. 1185/77 with the Sub-Registrar Hindupur.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, HyderabadNow, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. K. Uma Devi, W/o K. Sitarama Raju, H. No. 8-77 at Golnaka, Alwal, Hyderabad-Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri B. Sampatlal Surana S/o Bhaktawarmull Surana Jain, H. No. 506 at Sadar Bazar, Bolaram, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 190/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11/5/4 situated at Alwal, Hyderabad-West.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-West on 9-6-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 11-5/4, on plots bearing Nos. C-92, and C-93 in S. No. 190 admeasuring 344 Sq. Yds. situated at Lothukunta Alwal, Hyderabad-West registered vide Doc. No. 1058/77 with the Sub-Registrar Hyderabad-West.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15-456 GI/77

Date : 12-1-1978

Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 191/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-4-478 situated at Krishnanagar Colony, Bholakpur, Coimbatore Taluk and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 5-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Kailas Gowri, W/o late Nand Shankar, O , Raval H. No. 6-4-478 at Krishnanagar Colony, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mahalakshmi V. M. Yekambaram, W/o Sri V. Yekambaram H. No. 6-4-478 at Gandhinagar Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-4-478 (Plot No. 31 and 32/2) at Krishnanagar Colony Bholakpur, Secunderabad, registered vide Doc No. 676/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 192/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land in S. No. 110 situated at Bakaram Village, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri J. Paramkishan Rao, H. No. 1-1-380/10 Ashoknagar Extension, New Bakaram, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Mohd. Abdul Khader, H. No. 1-8-155/5 at Prenderghast Road, Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in Old S. No. 110 at Bakaram Village and forming part of 9 and 17 Ashoknagar Extension admeasuring 426 Sq. Yds. Hyderabad, registered vide Doc. No. 1143/77 with the Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC. No. 193/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land in S. No. 110 situated at Bakaram Village Ashoknagar, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri J. Paramkishan Rao, H. No. 1-1-380/10 at Ashoknagar Extension (New Bakaram) Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Abdul Razack, H. No. 1-5-388/1 at Zamistanpur Market, Mushirabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land in Old S. No. 110 at Bakaram Village and forming part of Plots No. 9 and 17, Ashoknagar, Extension admeasuring 600 Sq. Yds. Hyderabad, registered vide Document No. 1144/77 in the Office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sarwari Begum, W/o late Dr. Mohd. Masechuddin Ahmed, R/o Malakpet, Hyderabad.
(Transferor)

(2) Shri Iqbal Ahmed, S/o Sri Zainulabedeem, H. No. 5-4-454, at Nampally, Station Road, Hyderabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 194/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-454 situated at Nampally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-5-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Front portion of House bearing No. 5-4-454 situated at Nampally Station Road, Hyderabad, admeasuring 283 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1237/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS(1) Smt. Leela Bai, H. No. 15-1-1 at Osmangunj
Hyderabad,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Sri Hatim Ali, Flat No. 14 in 2nd floor of Madina
building Pathergati, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th January 1978

Ref. No. RAC., No. 195/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 15-1-5 situated at Osmangunj, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-5-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Shop No. 15-1-5 situated at Osmangunj, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1149/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC. No. 196/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3 situated at Bashirbagh-Palace, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Hyderabad Displaced Persons Housing Co-operative Society, Represented by President Sri Moolchand, Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Amarlal, H. No 21-1-24 Tolaram Building Rikabgunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 admeasuring 438 Sq. Yds. forming part of premises No. 5-9-30/1 at Bashirbagh Palace, Hyderabad registered vide Doc. No. 1005/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1978,
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC No. 197/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 6 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) The Hyderabad Displaced Persons Housing Co-operative Society, Represented by President Sri Moolchand, R/o Penderghast Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Sri Ramesh Kumar, H. No. 21-1-65 Rikabgunj, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 6 admeasuring 334 Sq. Yds. forming part of H. No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1006/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) The Hyderabad Displaced persons Housing Co-operative Society, Ltd., Represented by the President Sri Moolchand, at Pendberghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

- (2) Sri Gopaldass, Plot No. 3 at Shirdhan, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Hyderabad, the 16th January 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 198/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 7 admeasuring 307 Sq. Yds. forming part of premises No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh Hyderabad registered vide Doc. No. 1007/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—456 G1/77

Date : 16-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC. No. 199/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 9 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Hyderabad Displaced persons Housing Co-operative Society, Ltd., Represented by the President Sri Moolchand, at Pendherghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri Sobhraj S/o Jagatram, H. No. 21-7-84/1 at Ghansibazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 9 admeasuring 324 Sq. Yds. forming part of H. No. 5-9-301 situated at Bashirbagh, Hyderabad registered vide Doc. No. 1008/77 with the Joint Sub-Regist. Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1978.

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC. No. 200/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 situated at Bashirbagh Palace, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Hyderabad Displaced persons Housing Co-operative Society, Ltd., Represented by the President Shri Moolchand, at Pendherghast Road Secunderabad. (Transferor)
- (2) Sri Sunderdass Jiwatram Lalwani, H. No. 1-2-365/5-1 at Gaganmahal Road, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot No. 4 admeasuring 372 Sq. Yds. forming part of premises H. No. 5-9-30/1 situated at Bashirbagh, palace, Hyderabad registered vide document No. 1010/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1978.

Seal :

FORM IINS ———

(1) Sri M. D. Khanna, & R. D. Khanna, R/o 270 at
Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. R. Rajamma, W/o R. Veeriah, C/o Srikrishna
& Co., Glassware merchants, at Nizamashai Road,
Hyderabad.

(Transferee)

(3) M/s. Jaihind Transport Co., Prop Chandrakant S/o
Shivlal, H. No. 15-1-503/A/20 at Nizamshai Road,
Hyderabad.OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 16th January 1978

Ref. No. RAC. No. 201/77-78.—Whereas, I K. S.
VENKATARAMAN,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. 15-1-503/A/20 situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Doodbowli, on 30-5-1977for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer is agreed to between the parties has not
been truly in the said instrument of transfer with the object
of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons
namely :—

THE SCHEDULE

Shop No. 15-1-503/A/20 at Ashok Market, near Siddiam-
ber Bazar Hyderabad, registered vide Doc. No. 382/77 with
the Sub-Registrar Doodbowli, Hyderabad.K. S. VENKATARAMAN
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 24th January 1978

Ref. No. 5643/May/77.—Whereas, I K. Ponnann being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21-B/1 situated at Bhimanna Mudali Garden, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 453/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mrs. B. Sarala
W/o Shri Hiralal &
2. Mr. Hiralal
S/o Shri Bowrilal
No. 21/1 Bhimanna Mudali St.
Madrass-18

(Transferor)

- (2) 1. Shri S. V. Narasimha Rao
(S/o Shri S. V. R. Appa Rao;
2. Shri D. Srinivas
S/o Shri D. V. V. Satyanarayana; and
3. Shri D. V. V. Prasad
S/o Shri D. V. V. Satyanarayana,
No. 2 Victoria Crescent Road,
Madrass-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds and 1336 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 21-B/1 Bhimanna Mudali Garden Street, Madras-18 (New Door No 1-A, New Colony Madras-18).

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 24-1-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 3856/May/77.—Whereas, I K. Ponnann being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42, Kubera Ganapathi, situated at Mathiazagan Nagar, Madras-50, Kovil St., (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambattur (Doc. No. 368/77) on 4-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Ezhumalai
S/o Shri Kuppu Naicker
No. 42 Kuberaganapathy Kovil St.,
Mathiazagan Nagar,
Madrass-50.

(Transferor)

(2) The Palghat Credit Corporation
No. 5 Nana Rao Naidu Street,
Madrass-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2,152 Sq. ft. (with building) situated at No. 42, Kuberaganapathi Kovil Street, Mathiazagan Nagar, Madras-50.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-1-78.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri K. M. S. Kasinathan; and
Shri K. M. S. Muthaiyan
S/o Shri K. M. Subramania Chettiar,
No. 36 Sri Kumbeswarar North St.,
Kumbakonam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s. The Bharat Metal Sheet Rolling Mills
No. 18 Sri Kumbeswarar North St.,
Kumbakonam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 9th January 1978

Ref. No. F. 3864/May/77.—Whereas, I, K. Ponnai, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 193/4; 193/5; 193/6; 193/7; 193/8; and 193/14 Elumichangapalayam, Kumbakonam Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Swamimalai (Doc. No. 359/77 on 12-5-1977) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2.12 Acres (with buildings) and bearing New Survey Nos. 193/4; 193/5; 193/6; 193/7; 193/8 and 193/14 situated at Elumichangapalayam village, Darasuram Panchayat Limit, Kumbakonam Taluk, Tanjore District (Doc. No. 359/77).

K. PONNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 9-1-1978.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

MADRAS-6, the 9th January 1978

Ref. No. F. 3878/May/77.—Whereas, I K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 2429, Ward No. 5, situated at (Block No. 37) West Main Street, Pudukottai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I Pudukottai (Doc No. 685/77) on 3-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raja Rajagopala Thondaman
Pudukottai
(Represented by Power Agent—
Shri K. R. Govindarajan,
Pudukottai Palace, Tiruchirapalli.

(Transferor)

(2) Chamber of Commerce,
Pudukottai
(Represented by Shri K. S. Mohamed Moideen
Rowther: Shri Ganesa Pillai and
Shri K. Paramasigam Pillai).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7642 Sq. ft. (with building) and bearing T.S. No. 2429, Municipal Ward No. 5 Block No. 37 (West Main Street) Pudukottai.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 9-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 3879/May/77.—Whereas, I K. Ponnann being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Majid Colony, situated at Adappa Vayal, Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Pudukottai (Doc. No. 848/77) on 30-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—456 GI/77

(1) Mohamed Sahib
Alangudi Taluk
Alangudi.

(Transferor)

(2) Smt. N. K. A. Sulaika Beevi
W/o Shri N. K. Abdul Majeed,
Majid Colony
Adappan Vayal First St.,
Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (About 17,710 Sq. ft.) and building bearing Nos. 124, 125, 126, 127 and 128 (Majid Colony) situated at Adappan Vayal First Street, Pudukottai. (Doc. No. 848/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date 3-1-1978.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th January 1978

Ref. No. F. 3880/May/77.—Whereas, I K. Ponnann being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34, Second Main Road, situated at Srinagar Colony, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 699/77 on 16-5-1977) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. Kalyanam Iyer
S/o Shri R. Subramania Iyer
Dabeer New Street, Kumbakonam,
(Now at Bombay).

(Transferor)

(2) Smt. G. Suria Ammal
No. 34 Second Main Road,
Sri Nagar Colony,
Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at No. 34, Second Main Road,
Sri Nagar Colony, Kumbakonam.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1978,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri T. K. Ramamurthy
S/o Shri Krishnaswami
Neiveli
South Arcot.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Manikanda Reddiar
S/o Shri Subramania Reddiar
Asanellikuppam
Arakonam Taluk
North Arcot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 3881/May/77.—Whereas, I K. Ponnann being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 2376/2, situated at Cilar Road, Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanjavur (Doc. No. 1226/77) on May, 1977 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land admeasuring 14375 Sq. ft. (with building) and bearing T. S. No. 2376/2 Vilar Road, Thanjavur.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-1-78.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madrass-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 3883/May/77.—Whereas, I K. Ponnann being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16 and 16-A, situated at South Madavalagam Street, Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur West (Doc No. 1611/77) on 21-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Ammaiappa Gounder
S/o Shri Vaiyapuri Gounder
Kalipalayam,
Puliyur village, Karur Taluk; and
2. Shri A. Natarajan, S/o Shri Ammaiappa Gounder Vadakkupalayam, Melapalayam village, Karur Taluk.

(Transferor)

- (2) Shri P. V. Raju Pillai
S/o Shri Veerabadra Pillai
No. 9/56 Square Market,
Mettur Dam. Mettur Taluk. Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at No. 16 and 16-A, South Madavalagam Street, Karur.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-1-78.

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Smt. Kunjammal
W/o late K. S. Mariappa Mudaliar,
No. 159 Gandhipuram 7th St.,
Coimbatore.

(Transferor),

(2) Smt. S. Usharani
W/o Shri G. Sukumar
No. 21 Tatabad Street No. 2,
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 4292/May/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 37 Tatabad 1hud St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 342/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7 Cents & 404 Sq. ft. (with building) situated at Plot No. 166 (Northern portion), T.S. No. 11/417; G S. Nos. 206 & 208 Sangapur village, Coimbatore.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. F. 4292/May/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37A, Tatabad Third St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 343/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kunjammal
No. 159 Gandhipuram 7th St.,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Smt. S. Nirmala Devi
W/o Shri G. Shanmugasundram
No. 21 Tatabad Street No. 2,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 7 Cents & 263 Sq. ft. (with building) situated at Plot No. 166 (Southern portion) T.S. No. 11/417; G.S. No. 206 & 208 Sanganur village, Coimbatore.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-1-78.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri H. Mohamed Hussain and
2. Shri H. Abdul Kalam
No. 16/35 Verivada Chettiar Layout,
Mettupalayam Road, R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Shri P. A. Bawa,
C/o Bawa Textiles,
22/40 U.K. Lane
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 3rd January 1978

Ref. No. 4348/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 16/35, situated at Verivadu Chettiar Layout, Mettupalayam Road, R.S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Scheduled, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1313/77) on 22-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 6800 Sq. ft. (with building) situated at Site No. 35 Verivada Chettiar Layout, Mettupalayam Road, Coimbatore. (Door No. 16/35; New T.S. No. 8/1363/1A-Part).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 3-1-78

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. V. Ponnammal,
W/o R. M. Veerabadra Thevar,
No. 56, Athimoolam Agraharam,
Madurai

(Transferor)

(2) Shri Durairaju &
Smt. Gomathi Ammal,
No. 12, North Chithirai Street,
Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1978

Ref. No. 30/MAY/1977.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN
being the competent authority under section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a
fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No. 36 (T.S. No. 1135), situated at North Veli Street
Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 468/77) on May 1977
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer and/
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,178 sq. ft. with building thereon at door
No. 36 (T.S. No. 1135), North Veli Street, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 17-1-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 17th January 1978

Ref. No. 43/MAY/1977.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 511/2, 512/2, 513/1, 513/2, 514/1 and 514/3, situated at Karungulam village, Tirunelveli District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Panagudi (Doc No. 442/77) on May 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Godwin Gnanaraj, power of attorney agent of Mrs. Phyllis Sugirtha Sellaby Lysander,
2. Mrs. Ivy Joseph,
3. Shri A. Godwin Gnanaraj,
4. Mrs. Evelyn Vasanthakumari,
Anbiah Kesari Street, Nagercoil,
Kanyakumari district.

(Transferor)

- (2) Sri Kanyakumari Gurukula Ashram
3.48, North Street, Kanyakumari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 32 acres and 1 cent in survey Nos. 511/2 (7.74 acres), 512/2 (5.60 acres), 513/1 (5.03 acres), 513/2 (6.83 acres), 514/1 (6.57 acres), and 514/3 (0.24 acres), at Karungulam village, Kanyakumari district (with 2 wells and one 5 HP electric motor pumpset).

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 17-1-1978
Seal :

